हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 338 | बेमेतरा, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

किसानों को एकड़ के आधार पर मुआवजा देने का फैसला किसानों को मूर्ख बनाने की एक चाल-वडिंग

चंडीगढ। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आज आम आदमी पार्टी सरकार पर किसानों को मुआवज़ा देने का वादा करके उन्हें ठगने का आरोप लगाया। क्षेत्र के विकास होने तक किसानों को एकड़ के आधार पर मुआवज़ा देने के सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजा वडिंग ने कहा कि यह आप सरकार द्वारा किसानों को मूर्ख बनाने की एक भ्रामक चाल है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, किसान लालच में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, जब सरकार के पास अपने रोज़मर्रा के काम चलाने, वेतन देने या हर महिला को वादा किये गये एक हज़ार रुपये देने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है, तो वह किसानों को देने के लिए पैसा कहां से लायेगी? राजा वडिंग ने चेतावनी देते हुए कहा, यह किसानों को धोखा देने और उन्हें जाल में फंसाने की एक चाल है। सरकार से नीति वापस लेने की अपनी अपील दोहराते हुए राजा वडिंग ने पूछा कि जब लैंड पूलिंग की कोई ज़रूरत ही नहीं थी और न ही किसान अपनी ज़मीन देने को तैयार थे, तो इसका क्या मतलब था?

फ्लाइ ओवर पर गजब ड्रामा, जान देने के लिए पोल से लटकी महिला

छत्रपति । शहर के सिडको फ्लाईओवर पर मंगलवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 40 वर्षीय महिला आत्महत्या करने के इरादे से छलांग लगाने वाली थी। हालांकि, मौके पर मौजूद सतर्क नागरिकों और ट्रैफिक पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से महिला को समय रहते सुरक्षित बचा लिया गया। घटना दोपहर की है। बताया जा रहा है कि महिला पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव से गुजर रही थी। इसी तनाव के चलते वह सिडको फ्लाईओवर पर पहुंची और वहां से नीचे कूदने की कोशिश की। जैसे ही आसपास के लोगों और ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की नजर महिला पर पड़ी, वे तुरंत हरकत में आए और उसे पकड़ लिया। उन्होंने महिला को समझा-बुझाकर नीचे उतारा।

अवैध कोयला खनन के दौरान बड़ा हादसा, चाल धंसने से 10 से ज्यादा मजदूरों की मौत की आशंका

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले में बाघमारा प्रखंड के केसरगढ़ इलाके में अवैध कोयला खनन के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। बीसीसीएल ब्लॉक 2 के शिव मंदिर के पास देर रात चाल धंसने से 10 से अधिक मजदूरों के दबने की आशंका है। सूत्रों के मुताबिक, इस हादसे में 10 से ज्यादा लोगों की खबर है, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता सरयू रॉय ने इस हादसे के बारे में एक्स पोस्ट में लिखा, बाघमारा, धनबाद के जमुनिया नामक स्थान पर अवैध खनन की चाल धंसने से मंगलवार को 9 मजदूरों की मौत हो गई।

सीएम हाउस में हरेली उत्सव

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारा प्रमुख ध्येय:मुख्यमंत्री साय...

- छत्तीसगढ़ की संस्कृति में सजीव और निर्जीव सभी के प्रति सम्मान और आभार की भावना : विष्णु देव साय
- किसानों की खुशहाली और हरियाली का उत्सव बना मुख्यमंत्री निवास का हरेली तिहार आयोजन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और कृषि परंपराओं का प्रतीक हरेली तिहार इस वर्ष मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास परिसर में अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य की समृद्ध विरासत, पारंपरिक कृषि यंत्रों, लोक परिधानों, खानपान और आधुनिक कृषि तकनीकों का समन्वय एक अद्भुत नजारे के रूप में सामने आया। कार्यक्रम स्थल को पारंपरिक छत्तीसगढ़ी रंग-रूप में सजाया गया था, जहां ग्रामीण परिधान पहने अतिथि, कलाकार और आमजन लोक संस्कृति में रमे हुए नजर आए। हरेली उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री निवास में परम्परागत और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण कर विभिन्न पारंपरिक यंत्रों और वस्तुओं का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में काठा, खुमरी, झांपी, कांसी की डोरी और तुतारी जैसे ऐतिहासिक कृषि उपकरणों को प्रदर्शित किया गया। कृषि विभाग द्वारा आयोजित आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, जिसमें नांगर, कुदाली, फावड़ा, रोटावेटर, बीज ड्रिल, पावर टिलर और स्प्रेयर जैसे यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। 'काठा' वह परंपरागत मापक है जिससे पुराने समय में धान तौला जाता था; 'खुमरी' बांस और कौड़ियों से बनी छांव प्रदान करने वाली टोपी है; 'झांपी' शादी-ब्याह में उपयोग होने वाली वस्तुएं रखने की बांस से बनी पेटी; 'कांसी की डोरी' खाट बुनने में काम आती है और 'तुतारी' पशुओं को संभालने में उपयोग होती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि हरेली तिहार केवल पर्व नहीं, बल्कि यह हमारे कृषि जीवन, पशुधन और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी किसानों, युवाओं और आमजनों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही। मुख्यमंत्री ने इन उपकरणों की जानकारी लेकर कृषि तकनीकी प्रगति की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ की खेती परंपरा और तकनीक के समन्वय से और भी अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनेगी। किसानों को नई तकनीकों की जानकारी देकर हम राज्य की कृषि उत्पादकता को ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम नागरिक, किसान, छात्र और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ कर रहा है ऐतिहासिक प्रगति : डॉ. रमन सिंह

हरेली त्योहार पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और किसान जीवन का उत्सव है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। यह त्योहार प्रकृति, कृषि और पशुधन से जुड़े हमारे जीवन मूल्यों की गूंज है। उन्होंने कहा कि ऐसा विश्वास है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती स्वयं धरती पर आकर किसानों के बीच उपस्थित होते हैं और उनके खेतों का निरीक्षण करते हैं। यही कारण है कि इस दिन किसान अपने कृषि यंत्रों, हल-बैल और खेत-खलिहानों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ कृषि के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति कर रहा है। किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीद और विभिन्न योजनाओं में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। यह हिंदुस्तान में किसी भी राज्य द्वारा किसानों के लिए किया गया सबसे बड़ा कार्य है। यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ में एक ऐसा मुख्यमंत्री है, जो केवल घोषणाएं नहीं करता, बल्कि धरातल पर किसानों के पसीने की कीमत चुका रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, श्री विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा , महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायकगण, निगम मंडल आयोग के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट में एमिकस क्यूरी की बड़ी सलाह

सहमति की आयु 18 से घटा कर 16 वर्ष करने को कहा..

नई दिल्ली।/ एजेंसी

वरिष्ठ वकील और न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) इंदिरा जयसिंग ने सुप्रीम कोर्ट से यह मांग की है कि यौन संबंध के लिए कानूनी सहमति की उम्र 18 साल से घटाकर 16 साल की जाए। जयसिंग सुप्रीम कोर्ट में चल रहे 'निपुण सक्सेना बनाम भारत सरकार' मामले में कोर्ट की सहायता कर रही हैं। उन्होंने अपनी लिखित दलीलों में कहा कि 16 से 18 साल के किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने यौन संबंधों को आपराधिक बनाना गलत है। यह प्रावधान पॉक्सो कानून 2012 और भारतीय दंड संहिता (आपीसी) की धारा 375 के तहत आता है। जयसिंग ने दलील दी कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बने रोमांटिक संबंधों को भी अपराध मानता है और यह उनके सांविधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह कानून सहमति वाले संबंधों को जबरदस्ती या शोषण जैसा मानता है, जबकि किशोरों में समझदारी और निर्णय लेने की क्षमता होती है। जयसिंग ने कहा, सहमति की उम्र 16 से 18 करने का कोई ठोस या वैज्ञानिक कारण नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 70 वर्ष तक यह उम्र 16 ही थी, लेकिन 2013 के आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम के बाद इसे बढ़ा दिया गया, वह भी बिना किसी खुली बहस के। उन्होंने बताया कि जस्टिस वर्मा समिति ने भी सहमति की उम्र 16 साल ही बनाए रखने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा कि आज के समय में किशोर पहले ही यौवनावस्था में पहुंच जाते हैं ।

कांग्रेस ने धनखड़ के लिए विदाई समारोह की मांग उठाई

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लिए विदाई समारोह आयोजित करने की मांग की है, हालांकि सरकार के स्तर पर इस मांग को लेकर कोई तवज्जो नहीं दी गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार शाम राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में यह मांग उठाई। सूत्रों ने बताया कि सरकार की ओर से इस मुद्दे पर चुप्पी रही और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा तथा किरेन रीजीजू ने इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सूत्रों का कहना है कि किसी अन्य विपक्षी नेता ने रमेश की मांग का समर्थन नहीं किया।

कितनी कारगर होगी भागवत की पहल?

मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ भागवत की अहम बैठक....

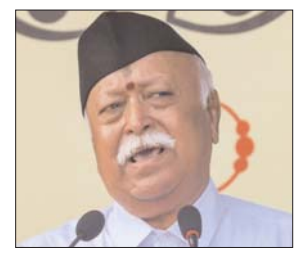

नई दिल्ली। सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने की एक उल्लेखनीय पहल के तहत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, सह महासचिव कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ नेता रामलाल और इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। समाचार एजेंसी एएनआई के सूत्रों के अनुसार, अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम धार्मिक नेता इस बैठक में भाग लेने वाले थे। आरएसएस, अपने संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है।

दो दशकों तक रहेगा लागू

राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 का गृह मंत्री ने किया अनावरण.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

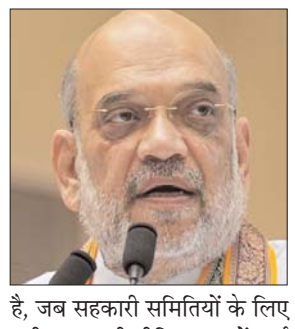

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 का अनावरण कर दिया है। यह 2025 से 2045 तक अगले दो दशकों के लिए भारत के सहकारी आंदोलन में एक मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए इस नई राष्ट्रीय नीति की घोषणा की। इसका लक्ष्य प्रत्येक गांव में अधिक पेशेवर रूप से प्रबंधित और वित्तीय रूप से स्वतंत्र सहकारी संगठन बनाना है। यह नवीनतम घोषणा 23 वर्ष बाद आई है, जब सहकारी समितियों के लिए इसी प्रकार की नीति 2002 में लाई गई थी, जब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सत्ता में था। 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति - 2025' का अनावरण करते हुए शाह (जो गृह और सहकारिता मंत्रालय दोनों संभाल रहे हैं) ने कहा कि सहकारिताएं कराधान सहित सभी पहलुओं में कॉर्पोरेट क्षेत्र के बराबर हैं। उन्होंने राज्यों से नई नीति को जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि सहकारी क्षेत्र में भारत के लिए विकास लाने की क्षमता है, जिसका लक्ष्य 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सहकारी संगठनों को पेशेवर, पारदर्शी, प्रौद्योगिकी से लैस, वित्तीय रूप से स्वतंत्र और सफल बनाना है। शाह ने कहा, हमारा लक्ष्य देश के प्रत्येक गांव में कम से कम एक सहकारी संगठन स्थापित करना है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा ट्विस्ट, न्याय की मांग करने वाला साला ही निकला धोखेबाज ,बहन और प्रेमी के लिए ढूंढ रहा वकील

इंदौर। इंदौर के चर्चित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजा रघुवंशी हत्याकांड में एक और सनसनीखेज मोड़ आ गया है। इस बार कहानी में यह ट्विस्ट मृतक की पत्नी और मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद की वजह से आया है, जिसकी अब तक की भूमिका पर ही गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। राजा के भाई ने गोविंद पर परिवार को धोखा देने और अपनी कातिल बहन व उसके प्रेमी को बचाने के लिए 'डबल क्रॉस' करने का सीधा आरोप लगाया है। मामले का यह नया खुलासा तब हुआ जब मृतक राजा का भाई विपिन रघुवंशी मंगलवार को शिलांग पहुंचा।

राहुल गांधी को चुनाव आयोग की दो टूक

कोर्ट के फैसले का इंतजार करें.. वरना बेबुनियाद आरोप न लगाएं

बंगलूरू/ एजेंसी

राहुल गांधी के कर्नाटक चुनाव संबंधी आरोपों पर भारत निर्वाचन आयोग करारा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि अगर चुनाव याचिका दायर की गई है तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो पा रहा, तो अब बेबुनियाद आरोप क्यों लगा रहे हैं? इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि कांग्रेस के पास इस बात के 100 फीसदी सबूत हैं कि चुनाव आयोग ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में धांधली होने दी। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि वह इससे बच नहीं पाएंगे, क्योंकि हम ऐसा होने देंगे और आपके पीछे आएंगे। इस पर चुनाव आयोग ने जवाब देते हुए कहा कि अगर चुनाव याचिका दायर की गई है, तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करें। अगर नहीं, तो अब बेबुनियाद आरोप क्यों लगा रहे हैं? दरअसल, चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के अंदर फैसले से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति चुनाव याचिका दायर कर सकता है। ऐसी याचिकाएं संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के राज्य के उच्च न्यायालयों में दायर की जा सकती हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारत के चुनाव आयोग की तरह काम नहीं कर रहा है। वह अपना काम ही नहीं कर रहा है। जब राहुल से बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने के विकल्प वाली टिप्पणी के बारे में पूछा गया।

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

ये डील नौकरियों और आम लोगों के लिए फायदेमंद-कीर स्टार्मर

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चेकर्स एस्टेट में अपने यूनाइटेड किंगडम (यूके) समकक्ष कीर स्टारमर से मुलाकात की। चेकर्स एस्टेट ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास है और लंदन से 50 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को अपनी दो दिवसीय यूके यात्रा के लिए लंदन पहुँचे थे। यह प्रधानमंत्री की यूके की चौथी यात्रा है। लंदन पहुँचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि लंदन पहुँच गया हूँ। यह यात्रा हमारे देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में काफ़ी मददगार साबित होगी। उन्होंने लिखा कि हमारा ध्यान हमारे लोगों की समृद्धि, विकास और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने पर होगा। वैश्विक प्रगति के लिए भारत-यूके की मज़बूत दोस्ती ज़रूरी है। प्रधानमंत्री मोदी की कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान, भारत और ब्रिटेन ने तीन साल की बातचीत के बाद ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने इस साल मई में एफ्टीए पर हस्ताक्षर किए थे और इससे टैरिफ से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को लाभ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, इससे ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को कार, व्हिस्की और अन्य उत्पादों का निर्यात करना भी आसान हो जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने पहले एफ्टीए की सराहना करते हुए इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया था। उन्होंने दिन में पहले 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत के साथ एक ऐतिहासिक समझौते का मतलब है ब्रिटेन में रोज़गार, निवेश और विकास। यह हज़ारों ब्रिटिश रोज़गार पैदा करता है, व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलता है और कामकाजी लोगों की जेब में पैसा डालता है। यही हमारी परिवर्तनकारी योजना है। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए बड़ा लाभ लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि ये डील मजदूरों की तनख्वाह बढ़ाएगी, जीवन स्तर सुधारेगी और कामकाजी लोगों की जेब में ज़्यादा पैसा डालेगी। मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। दोनों देशों ने दोहरे अंशदान सम्मेलन समझौते, या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत भी पूरी कर ली है। इससे ब्रिटेन में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरे अंशदान से बचने में मदद मिलेगी। ऐसे व्यापार समझौतों में, दोनों देश परस्पर व्यापार वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क या तो समाप्त कर देते हैं या उसमें उल्लेखनीय कमी कर देते हैं। ये समझौते सेवाओं और द्विपक्षीय निवेश में व्यापार को बढ़ावा देने के मानदंडों को भी आसान बनाते हैं।

भारत-ब्रिटिश टेक्नोलॉजी साझेदारी की पहली सालगिरह.....

भारत और यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटिश) के बीच रणनीतिक तकनीकी सहयोग को और मजबूती देते हुए दोनों देशों ने 'ब्रिटिश-इंडिया टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव (टीएसआई)' की पहली वर्षगांठ पर अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने 'इंडिया-ब्रिटिश विजन 2035' को भी आधिकारिक रूप से मंजूरी दी, जो दोनों देशों के बीच लंबे समय तक चलने वाली सहयोग की दिशा को तय करेगा। ब्रिटिश सरकार के अनुसार, टीएसआई की पहली वर्षगांठ के मौके पर दोनों देशों ने उभरती तकनीकों के उपयोग से आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूत करने की दिशा में किए गए।

खाद की समस्या से जूझ रहे ग्राम पंचायत नारायणपुर के किसान

बेमेतरा/नारायणपुर /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर सेवा सहकारी समिति नारायणपुर में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिलने के कारण गांव के किसान इन दोनों काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जहां उन्हें खाद के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा हैं,व दुकानों में उचित मूल्य पर खाद लेने मजबूर होना पड़ रहा हैं। समिति ने अपने उच्च अधिकारियों को एवं विभागों को खाद की कमी होने की जानकारी दें दी है साथ ही पर्याप्त मात्रा में खाद की मांग करते आ रहे हैं, इसके बावजूद भी समस्या जस की तस बनी हुई है, जिसके चलते गांव के किसानों को शासन -प्रशासन का मुंह ताकते के लिए विवश होना पड़ रहा है, किसानों ने बताया कि किसानी कार्य के दिनों में खाद की कमी का होना कहीं ना कहीं किसानों का रीढ़ की हड्डियां तोड़ने वाली बात है, छत्तीसगढ़ शासन ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करने की कोरी दिलासा तो दिला रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बाय कर रही है, जिसका जीता जागरण उदाहरण ग्राम पंचायत नारायणपुर के सेवा सहकारी समिति नारायणपुर क्षेत्र में देख कर लगाया जा सकता है,खाद की किल्लत की वजह से यहां वाद -विवाद की स्थिति भी निर्मित हो रही है, यहां तक की किसानों को समिति के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, गांव के कई किसानों ने बताया कि वे चार बार समिति के चक्कर लगा चुके हैं लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रहा है, इस संबंध में समिति ने प्रबंधक से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि युरिया और डीएपी खाद की समस्या बनी हुई है, जहां समिति में खाद की मांग की गई है,कब तक आएगा कुछ कह नहीं सकते।

किसान परेशान –उत्साह के बिच सबसे बड़ी चिंता रासायनिक खाद (उर्वरक)की कमी को लेकर है, सामान्यतः किसान बरसात शुरूआती दिनों में ही खाद का स्टाक जुटा लेते हैं, ताकि रोपाई के बाद उन्हें भागदौड़ न करनी पड़े। परंतु इस बार सरकारी आपूर्ति व्यवस्था की ढिलाई से समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो पाई। जहां कई केंद्रों पर वितरण दर से शुरू हुआ या सीमित मात्रा में हुआ जिसके कारण किसानों को लंबी कतारों में बार -बार चक्कर लगाने और अतिरिक्त परिवहन खर्च का सामना करना पड़ रहा है। खेती का हर चरण मौसम पर निर्भर होता है,खाद की देरी से रोपा की बढ़वार और खाद की पोषणीय अवस्था प्रभावित हो सकती है,ऐसी चिंता किसानों में साफ़ झलकती है।

लोगों दी उग्र आंदोलन की चेतावनी – गांव के लोगों ने कहा कि यदि समय पर खाद नहीं आया तो लोग आंदोलन करने में विवस होने को मजबूर हो जाएंगे जहां लोगों ने बताया कि सेवा सहकारी समिति में खाद नहीं आने के कारण किसान परेशान हैं जहां सीमित प्रबंधक व सोसायटी अध्यक्ष का किसी प्रकार का कार्यवाही नहीं होना साथ ही क्षेत्रीय विधायक व खाद्य मंत्री का ध्यान नहीं होना, सोसायटी में खाद नहीं पर किसानों द्वारा उग्र आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है,जिसकी जिम्मेदारी खाद्य विभाग व सोसायटी की होगी। जिसमें उपस्थित किसान कमलेश साहू, सुरेन्द्र साहू, अर्जून साहू,हेमराम साहू, कुंवर साहू,हेमकुमार साहू,सेवक राम साहू, सहित भारी संख्या में किसान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आबकारी आरक्षक परीक्षा प्रवेश पत्र के संबंध में जारी हुए विशेष दिशा निर्देश

- 27 जुलाई को होगी आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के अंतर्गत आबकारी आरक्षक के रिक्त पदों पर लिखित भर्ती परीक्षा (एबीए 25) का आयोजन 27 जुलाई 2025 दिन रविवार समय 11 से 1:15 बजे को किया जावेगा। इस संबंध में अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट 14ड्डश्वड्डद्व.ष्द्दद्दठ्ठद्वद्द.द्दश्1.द्धठ्ठ पर उपलब्ध लिंक पर क्लिक करके अपने प्रोफाइल लॉगिन पेज से प्रवेश पत्र दिनांक 21 जुलाई 2025 से डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त एसएमएस के यू.आर.एल. को क्लिक करके भी सीधे प्रवेश पत्र प्राप्त कर उसका प्रिंट आउट ले सकते हैं। परीक्षा दिवस को प्रत्येक परीक्षार्थी लगभग दो घंटे पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र में उपस्थित रहें, जिससे उनके मूल पहचान पत्र से उनका पहचान किया जा सके एवं फ्रिस्किंग के उपरांत परीक्षा केंद्र में जाने हेतु अनुमति दी जा सके। यह उचित होगा कि, परीक्षार्थी परीक्षा दिवस से एक दिन पूर्व ही अपने परीक्षा केन्द्र की भौगोलिक स्थिति से भली भांति परिचित हो जावें। प्रवेश पत्र पर अंकित समय के पश्चात् किसी को भी परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। अभ्यर्थी संपूर्ण प्रवेश पत्र पूर्णतः डाउनलोड करें और उसका प्रिंट आउट लेकर परीक्षा केन्द्र में जायें। परीक्षार्थियों को डाकघर के माध्यम से प्रवेश पत्र नहीं भेजा जावेगा। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र के सम्बंध में कठिनाई होती है तो हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 एवं मोबाइल नंबर 8269801982 पर समय प्रातः 10 से सायं 5:30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। परीक्षार्थियों को अपना फोटोयुक्त मूल आई डी. प्रूफ जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्रायविंग लायसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय का फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटोयुक्त अंकसूची मूलरूप में (फोटो कॉपी मान्य नहीं) परीक्षा दिवस में परीक्षा केन्द्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश- परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचेगें ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व अर्थात् प्रातः 10: 30 बजे परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। इसके अलावा अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनने एवं फुटवियर के रूप में चप्पल पहनने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कानों में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित रहेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घंटा में परीक्षा केन्द्र से बाहर जाना वर्जित किया गया है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घडी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है।

आवा महतारी, संगी, संगवारी अऊ सहेली आगे विष्णु के सुशासन के हरेली

जम्मो प्रदेशवासी मन ला हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधई-अनुज

धरसींवा /मूक पत्रिका

क्षेत्रीय विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने छत्तीसगढ़ के परंपरागत लोकपर्व हरेली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी 7 अनुज शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो हमारी कृषि संस्कृति, लोक परंपरा और प्रकृति प्रेम का प्रतीक है। हरेली पर्व खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्योहार है, जिसमें किसान अपने कृषि उपकरणों की पूजा कर धरती माता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। यह पर्व न केवल अच्छी फसल की कामना का अवसर है, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य की भावना को भी प्रकट करता है। मैं पूरे क्षेत्र व प्रदेशवासियों से आग्रह हूं कि इस वर्ष हरेली पर्व को हम और भी सार्थक बनाएं, धरती माता की पूजा के साथ वृक्षारोपण करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक बने। विधायक शर्मा ने आशा व्यक्त की कि हरेली पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियाँ, समृद्धि और हरियाली लेकर आए। उन्होंने सभी नागरिकों से इस लोकपर्व को आपसी सौहार्द, प्रकृति प्रेम और परंपरा के सम्मान के साथ मनाने का आह्वान किया।

एक करोड़ पंद्रह लाख रुपया का धोखाधड़ी करने वाले आरोपी नकुल साहू गिरफ्तार

थाना जांजगीर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

मामले में आरोपी द्वारा कम समय में अधिक ब्याज देने का लालच दिखाकर लोगो से रकम लेकर किया गया धोखाधड़ी। धोखाधड़ी प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी नकुल साहू उम्र 51 साल निवासी डीडी प्लाजा के पीछे जांजगीर, स्थाई पता धरदेई पुरैना पारा थाना शिवरीनारायाण एवं उसके अन्य साथी के द्वारा लोगों को कम समय में अधिक ब्याज देने का लालच दिखा कर किस्त किस्त में नगद एवं आरटीजीएस के माध्यम से कुल एक करोड़ 15 लाख रुपए ले लिया है। जमा किये पैसा को वापस मांगने पर आनाकानी कर रहा है। प्रार्थी परमेंद्र कुमार निवासी पुरानी बस्ती जांजगीर की रिपोर्ट पर बीते 22 जुलाई 2025 को थाना जांजगीर में अपराध कायम कर विवेचना लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती कविता ठाकुर के नेतृत्व में आरोपी नकुल साहू को पकड़ा जिसको धोखाधड़ी करने के संबंध में पूछताछ करने पर अपने साथी के साथ मिलकर प्रार्थी व अन्य लोगों से एक करोड़ 15 लाख रुपए लेकर धोखाधडी करना जुर्म स्वीकार किए जाने से आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

प्रतिष्ठित नागरिक जितेन्द्र गुप्ता का निधन

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

गुप्ता (केशरवानी) समाज चांपा के प्रतिष्ठित नागरिक, बी डी एम अस्पताल के पास निवासरत होटल संचालक जितेन्द्र गुप्ता का 70 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया है। 23 जुलाई 2025 बुधवार को सुबह 11 बजे निवास स्थान बी डी एम अस्पताल के पास से मंझली तालाब के पास स्थित सार्वजनिक मुक्तिधाम पहुंचकर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र संतोष गुप्ता ने दी। इस मौके पर परिवारजनों, समाज के लोग तथा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। केशरवानी वैश्य कल्याण समिति चांपा ने।उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

छात्रावास में नाबालिग छात्रा के गर्भवती होने का मामला गरमाया कांग्रेस ने गठित की 9 सदस्यीय जांच टीम

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

जिले के भोपालपटनम विकासखंड स्थित एक छात्रावास में अध्ययनरत कक्षा 12वीं की एक नाबालिग छात्रा के गर्भवती पाए जाने के सनसनीखेज मामले ने प्रदेशभर में हलचल मचा दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया है। इस जांच समिति की संयोजक भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी करेंगी। टीम जल्द ही भोपालपट्टनम पहुंचकर छात्रावास का निरीक्षण करेगी, पीड़िता व परिजनों से बात करेगी और घटनास्थल की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करेगी।

जांच समिति में शामिल सदस्यः सावित्री मंडावी ङ्क विधायक, भानुप्रतापपुर (संयोजक),देवती कर्मा-पूर्व विधायक, नीना रावतिया उद्दे ङ्क महामंत्री, प्रदेश कांग्रेस, सरिता चापा पूर्व जिला पंचायत सदस्य,गीता कमल-जिला महिला कांग्रेस,निर्मला मरपल्ली-पूर्व जनपद अध्यक्ष,रिंकी कोरम ङ्क अध्यक्ष नगर पंचायत,पार्वती कश्यप-पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अनिता तेलम पूर्व जनपद सदस्य। जांच दल को निर्देशित किया गया है कि वे अविलंब छात्रावास, ग्राम एवं संबंधित विभागों से विस्तृत जानकारी एकत्र करें और मामले की पारदर्शी जांच कर रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपें।

हरेली तिहार पर ग्राम खिसोरा में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

- प्रशासन और उद्योगों की साझेदारी में तैयार होगा ऑक्सी-ज़ोन,ग्रीन ज़ोन, जिले में पंचायत, सामजिक संगठनों, आम नागरिकों द्वारा सतत् रूप से किया जा रहा वृक्षारोपण

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में प्रशासन और उद्योगों के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से वृक्षारोपण कराकर ऑक्सीजन जोन-ग्रीन जोन के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में बीते गुरुवार को हरेली तिहार के अवसर पर अकलतरा विकासखंड के ग्राम खिसोरा में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान 2.0 के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एम वी के इंडस्ट्री, अमरताल के सहयोग से दो हजार से अधिक पौधे आम, अमरूद, आँवला, गुलमोहर सहित छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, उद्योगों, नागरिकों, अधिकारी-कर्मचारी ने ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ संकल्प के साथ पौधरोपण किया।इस अवसर पर जिला खनि अधिकारी अनिल साहू, डिप्टी कलेक्टर पवन कोसमा, उद्योग विभाग के अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे । जिले में पंचायतों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों द्वारा विभिन्न स्थानों में सतत् रूप से वृक्षारोपण किया जा रहा है। नागरिक पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम से जुड़कर ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ को एक जनांदोलन का स्वरूप दे रहे है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर महोबे के निर्देशन में यह अभियान जिलेभर में सतत् आगे बढ़ाया जा रहा है , वे स्वयं इस पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु, बेहतर पर्यावरण और प्राकृतिक सुंदरता का उपहार दिया जा सके।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025 हेतु अभ्यर्थियों और परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिशा-निर्देश जारी

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा 27 जुलाई 2025 को आयोजित की जाने वाली आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025 के सफल, पारदर्शी एवं निष्पक्ष संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार प्रातः 10:30 बजे बंद कर दिए जाएंगे, जिसके पश्चात किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र में जैमर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही प्रत्येक केंद्र पर एक विशेष कर्मचारी की नियुक्ति की गई है, जो जैमर के संचालन हेतु प्रशिक्षित रहेगा। इन कर्मचारियों के प्रशिक्षण और कार्य की निगरानी संबंधित नोडल अधिकारी द्वारा की जाएगी।पुलिस बल द्वारा परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सभी पुलिसकर्मी परीक्षा प्रारंभ होने के ढाई घंटे पूर्व केंद्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।सभी परीक्षार्थियों की हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर और फ्रिस्किंग के माध्यम से जांच की जाएगी। महिला अभ्यर्थियों की तलाशी केवल महिला पुलिसकर्मियों द्वारा ही की जाएगी।साथ ही, प्रत्येक कक्ष में दीवार घड़ी अनिवार्य रूप से लगाई जाएगी, ताकि परीक्षार्थियों को समय की सही जानकारी मिल सके।

परीक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देशः परीक्षा केंद्र में कम से कम दो घंटे पूर्व, सुनिश्चित करें, ताकि प्रवेश प्रक्रिया व जांच समय पर पूर्ण की जा सके।सुबह 10:30 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा ।अभ्यर्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनें एवं केवल चप्पल पहनकर आएं। जूते, मोजे पहनना वर्जित है।कान में किसी भी प्रकार के आभूषण, चेन, कड़ा आदि पहनकर आना मना हैमोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर, पर्स, बेल्ट, टोपी, स्कार्फ, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि परीक्षा केंद्र में ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनुचित साधनों/नकल आदि का प्रयास करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

नक्सल संगठन को बड़ा झटका :

बीजापुर में 25, कांकेर में 13 नक्सलियों ने किया सरेंडर, डेढ़ करोड़ से ज्यादा का घोषित था इनाम

बीजापुर/मूक पत्रिका

बस्तर में नक्सल संगठन को बड़ा झटका लगा है. बीजापुर में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. नक्सली दंपति सहित कुल 25 लोगों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. 25 लाख के ईनामी ईंष्ट्रू के साथ कुल 01 करोड़ 15 लाख के ईनामी 25 माओवादियों ने सरेंडर किया है. सभी माओवादी फायरिंग, आईडी ब्लास्ट, आगजनी जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं. वहीं कांकेर में भी 62 लाख के 13 ईनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है,आत्मसमर्पण करने वालों में ईंष्ट्रू-01, ष्ठङ्कष्ट्रू-02, कंपनी क्कष्ट्रू-02, बटालियन एवं कंपनी पार्टी सदस्य -03,ॅष्ट्रू-08 एरिया कमेटी पार्टी सदस्य -02, स्ह्रस् सदस्य-04, जनताना सरकार अध्यक्ष-01, मिलिशिया कंपनी सदस्य-01 एवं जनताना सरकार उपाध्यक्ष शामिल हैं. सरकार की महत्वपूर्ण योजना ÷नियद नेल्लानार÷ व पुर्नवास नीति से प्रभावित होकर नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है.आत्मसमर्पित के नाम, पद और घोषित इनाम

1. वट्टी गंगा उर्फ मुकेश उर्फ चैतू पिता स्व0 सुकड़ा उम्र 44 वर्ष निवासी दुब्बाकोंटा /दुमरका पंचायत तेलंमागुण्डा जिला सुकमा, वर्ष 2000 से 12.07.2025 तक उत्तर ब्योरो टीडी टीम इंचार्ज डीवीसीएम रहे. इनामी - 08 लाख रुपए

2. लखमा लेकाम उर्फ सैनाथ उर्फ रंजीत पिता सोमा उम्र 36 वर्ष निवासी पिड़िया थाना गंगालूर, वर्ष 2013 से पीपीसीएम प्लाटून नंबर 22 कंमाण्डर वर्ष 2024 से प्लाटून नंबर 01 सेक्सन कमाण्डर, इनामी - 08 लाख रुपए

3. रीना कुर्साम पिता आयतू उम्र 35 वर्ष निवासी बडे तुंगाल पति लखमा लेकाम उर्फ सैनाथ उर्फ रंजीत पिता सोमा उम्र 36 वर्ष निवासी+पंचायत पिड़िया थाना गंगालूर जिला बीजापुर, 2024 से प्लाटून नंबर 01 सेक्सन डिप्टी कमाण्डर पीपीसीएम, ईनामी 08 लाख रुपए

4. रमशिला उर्फ ऊंगी माडवी पिता माड़ा उम्र 40 वर्ष निवासी टेकगुडा पंचायत तेलरैय मलकानगिरी (ओडिशा), वर्ष 2003 से 12.07.2025 तक उत्तर ब्यूरो टीडी टीम एसीएम, इनामी - 05 लाख रुपए

5. माली पति सतरू मण्डावी उम्र 28 वर्ष निवासी गवाडी पंचायत थुलथुली थाना ओरछा जिला नारायणपुर पिता मासा ध्रुवा निवासी दुमनार पंचायत कुतुल थाना कोहकामेटा जिला नारायणपुर, वर्ष 2019 2025 तक 16 पीएल सदस्य /सिंगलशार्ट, इनामी - 01 लाख रुपए

6. ईरपा गोटा पिता स्व0 विजा राम गोटा उम्र 42 वर्ष निवासी मडोडा पंचायत धुरबेडा थाना कोहकामेटा जिला नारायणपुर, वर्ष 2020 से अब तक मडोडा जनताना सरकार अध्यक्ष, इनामी - 01 लाख रुपए

7. मंगती उसेण्डी उर्फ टांगरी पिता मासा उम्र 30 वर्ष निवासी मुरेहनार पंचायत नेण्डनार थाना कुकडाझोर जिला नारायणपुर, वर्ष 2020 से 10.07.2025 तक नेलनार एलओएस सदस्य/303 कारतूस 11, इनामी - 01 लाख रुपए8. सतरू मण्डावी पिता कंडजे उम्र 28 वर्ष निवासी गवाडी पंचायत थुलथुली थाना ओरछा जिला नारायणपुर, वर्ष 2024 से ओरछा एलओएस सदस्य/बीजीएल, इनामी 01 लाख रुपए

इस साल अब तक 242 नक्सली कर चुके आत्मसमर्पण

बस्तर आईजी पी. सुंदरराज, डीआईजी कमलोचन कश्यप, सीआरपीएफ डीआईजी बीएस नेगी, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूलेण्डन यार्क, डीएसपी शरद जायसवाल, उप पुलिस अधीक्षक विनीत साहू एवं अन्य अधिकारियों के समक्ष नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया. पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को अधिकारियों ने 50-50 हजार रुपए नगद राशि दी. बता दें कि साल 2025 में अब तक कुल 242 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. वहीं वर्ष 2025 में अब तक कुल 300 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है. 127 माओवादियों को अलग-अलग मुठभेड़ में सुरक्षाबल के जवानों ने मार गिराया है.सरेंडर नक्सलियों को दी गई 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि नक्सल मोर्चे पर कांकेर पुलिस को भी बड़ी सफलता मिली है. 62 लाख के ईनामी 13 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. इनमें 5 महिला नक्सली भी शामिल हैं. सभी नक्सली लंबे समय से नक्सल संगठन में सक्रिय थे. सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कंपनी कमांडर भी शामिल है. एसपी आई कल्याण एलिसेला ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक नक्सली को शासन की पुनर्वास नीति के तहत ?50,000 की प्रोत्साहन राशि दी गई है.बदलाव की ओर एक मजबूत कदमएसपी एलिसेला ने कहा, यह आत्मसमर्पण न केवल सुरक्षा बलों की रणनीति की सफलता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि माओवादी विचारधारा अब अपने अंतिम दौर में है. ÷पूना मारगेम÷ जैसी पहलें उन लोगों को एक नई शुरुआत का अवसर दे रही है, जो हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं.

बस्तर रेंज में '' पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन''- बदलाव की एक सशक्त पहल तथा जिला दंतेवाड़ा में लोन वर्राटू अभियान

दन्तेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले में चलाये जा रहे लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान तथा पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) अभियान से प्रभावित होकर कुल 17 लाख के 05 ईनामी माओवादियों सहित 16 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण जिसमें 01 माओवादी दम्पति शामिल। आत्मसमर्पित माओवादी बुधराम उर्फ लालू कुहराम (डीव्हीसीएम) के पद पर छ0ग0 शासन द्वारा 08 लाख रूपये का ईनाम घोषित है जो विगत 20 वर्षो से नक्सल संगठन में सक्रिय रहा । आत्मसमर्पित महिला माओवादी कमली उर्फ मोती पोटावी (एसीएम) के पद पर छ0ग0 शासन द्वारा 05 लाख रूपये ईनाम घोषित है जो विगत 20 वर्षो से नक्सल संगठन में सक्रिय रही। आत्मसमर्पित माओवादी पोज्जा उर्फ पोदिया मड़काम (नीलावाया आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष) के पद पर छ0ग0 शासन द्वारा 02 लाख रूपये का ईनाम घोषित है. आत्समर्पित महिला माओवादी आयते उर्फ संगीता सोड़ी (किस्टाराम एरिया कमेटी पार्टी सदस्य/कृषि शाखा सदस्य) के पद पर छ0ग0 शासन द्वारा 01 लाख रूपये का ईनाम घोषित है। आत्समर्पित महिला माओवादी पाण्डे माड़वी (कटेकल्याण एरिया कमेटी केएएमएस सदस्य) के पद पर छ0ग0 शासन द्वारा 01 लाख रूपये का ईनाम घोषित है। 20 वर्षो से माओवादी संगठन सक्रिय आत्मसमर्पित माओवादी डीव्हीसीएम बुधराम उर्फ लालू वर्ष 2013 में कोगंरा, टेडुम एवं वर्ष 2018 में ईरपानार के जंगल में एम्बुष लगाकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने जैसे बड़ी घटनाओं में था शामिल। 20 वर्षो से माओवादी संगठन में सक्रिय आत्मसमर्पित महिला माओवादी एसीएम कमली उर्फ मोती पोटावी वर्ष 2018 में ईरपानार एवं

वर्ष 2024 में गोबेल-भटबेड़ा व थुलथुली के जंगल में हुये पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में थी शामिल। अन्य आत्मसर्पित माओवादी अपने-अपने क्षेत्र में नक्सली बंद सप्ताह के दौरान रोड खोदना, पेड़ काटना, नक्सली बैनर, पोस्टर एवं पाम्प्लेट लगाने जैसी घटनाओं में शामिल रहे। जिला दन्तेवाड़ा में पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज श्री सुन्दरराज पी0 (भा.पु.से.), पुलिस उप महानिरीक्षक दन्तेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप (भा.पु.से.), पुलिस उप महानिरीक्षक (परि0) सीआरपीएफ दन्तेवाड़ा रेंज राकेश चौधरी, पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा रामकुमार बर्मन (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे छ0ग0 शासन की बस्तर रेंज के माओवादी प्रभावित जिलों में शांति स्थापना, पुनर्वास और सामाजिक पुनर्स्थापना की दिशा में चलाए जा रहे '' पूना मारगेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन '' तथा नक्सल उन्मूलन लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान के तहत जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ के द्वारा भटके हुए माओवादियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए लगातार संपर्क एवं संवाद कर शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार गाँव - गाँव तक किया जा रहा है, इसके प्रभाव में लगातार शीर्ष माओवादियों सहित भटके हुए माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण किया जा रहा है। नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा, माओवादी संगठनों के भीतर आंतरिक मदभेद और जंगलो में रहने की कठिनाईयों से तंग आकर नक्सलवाद की ओर भटके युवा अब समाज के मुख्यधारा में जुड़ने का संकल्प करके 05 ईनामी माओवादी सहित 16 माओवादियों ने आत्मसमर्पण की इच्छा जाहिर करते हुये लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान के तहत बीते गुरुवार को लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपना विश्वास जाहिर करते हुए समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के लिए ईच्छा जाहिर की जिसका स्वागत करते हुए इन्हें उप महानिरीक्षक दन्तेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप (भा.पु.से.), पुलिस उप महानिरीक्षक (परि0) सीआरपीएफ दन्तेवाड़ा रेंज राकेश चौधरी, पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय (भा.पु.से.), कमांडेंट 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ श्री गोपाल यादव, कमांडेंट 195वीं वाहिनी सीआरपीएफ राजीव कुमार, कमाण्डेट 230वी वाहिनी सीआरपीएफ अनिल कुमार प्रसाद, कमाण्डेट 231वी वाहिनी सीआरपीएफ सुनील भवर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर (भा.पु.से.), विवेक सिंह द्वितीय कमाण्ड अधिकारी 111वीं.वाहिनी सीआरपीएफ, सौरभ राय द्वितीय कमाण्ड अधिकारी 231वी वाहिनी सीआरपीएफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा रामकुमार बर्मन(रा.पु.से) एवं विमल कुमार, उप कमाण्डेड (आसूचना) रेंज दन्तेवाड़ा के समक्ष पुलिस अधीक्षक कार्यालय दन्तेवाड़ा में आत्मसमर्पण किये। इनमें कई कैडर वर्षो से माओवादी संगठन में सक्रिय थे और अब संगठन की जन विरोधी, हिंसक और दिशाहीन विचारधारा से मोह भंग के कारण उन्होंने समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है। उक्त माओवादियों को आत्मसमर्पण कराने में डीआरजी/बस्तर फाईटर्स, 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ, 195वीं वाहिनी सीआरपीएफ, 230वीं वाहिनी सीआरपीएफ, 231वीं वाहिनी सीआरपीएफ का विशेष योगदान रहा।लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 254 ईनामी माओवादियों सहित कुल 1021 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण जिसमें जिला दन्तेवाड़ा के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर के 824 पुरूष माओवादी तथा 197 महिला माओवादी शामिल है। त्मसमर्पण करने वाले 16 माओवादी कैडरों की सूची - 1. बुधराम उर्फ लालू कुहराम (40 वर्ष) डीव्हीसीएम, पूर्वी बस्तर डिवीजन सप्लाई टीम कमाण्डर निवासी पल्लेवाया, बांगापाल जिला बीजापुर।

प्रसव पूर्व निदान तकनीकी (पी.सी.पी.एन.डी. कार्यक्रम) अधिनियम के तहत समिति हुई गठित

दन्तेवाड़ा /मूक पत्रिका

पी.सी.पी.एन.डी. कार्यक्रम अंतर्गत प्रसव पूर्व निदान तकनीकी (विनिमय और दुरुपयोग निवारण) अधिनियम 1994 की धारा 17 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग में लाते हुए जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर पूर्व में गठित समिति में सम्मिलित अधिकारी के स्थानांतरण होने के कारण समिति का पुनर्गठन किया गया है। इसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके, जिला नोडल अधिकारी (पी.एन.डी.टी.) डॉ. एस. मण्डल, शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. नमन साखंला, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रावली, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार बघेल, अधिवक्ता दिनेश राठौर,

जन संपर्क अधिकारी रंजीत पुजारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतीक सोनी, जिला सलाहकार (पी.एन.डी.टी.) अंकित सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती बबीता पाण्डे, सामाजिक कार्यकर्ता दशाराम नाग शामिल रहेगें। इस संबंध में जिला सलाहकार समिति का बैठक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभा कक्ष में , आज 25 जुलाई 2025 को दोपहर 03 बजे से आयोजित किया गया है।

'प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ पक्के घर का सपना ङ्क सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम : दीपेश साहू विधायक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पंचायत बेरला में आज प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) फेज 2.0 के अंतर्गत भवन अनुज्ञा एवं स्वीकृति-पत्र वितरण का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल देशलहरा ने किया द्य कार्यक्रम में 47 नव स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा एवं स्वीकृति-पत्र प्रदान किए गए, जिससे लाभार्थियों के वर्षो पुराने पक्के घर के सपनों को साकार किया गया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा प्रधानमंत्री आवास योजना समाज के

वंचित, गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए एक नई रोशनी बनकर आई है। यह केवल एक आवासीय योजना नहीं, बल्कि हर गरीब परिवार को गरिमा के साथ जीने का अधिकार देने वाला परिवर्तनकारी अभियान है। जो लोग वर्षो से एक पक्के घर के लिए संघर्ष कर रहे थे, आज उन्हें उनका हक मिल रहा है। यह स्वीकृति-पत्र केवल एक कागज नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्थायित्व और सामाजिक सुरक्षा का दस्तावेज है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार की प्राथमिकता यही है कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। हर गांव, हर कस्बा और हर नगर में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।विधायक साहू ने यह भी कहा कि आने वाले समय में हर जरूरतमंद परिवार को अपना पक्का घर मिले, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी पूरी तत्परता से काम करें। उन्होंने नगर पंचायत की टीम को भी बेहतर कार्यो के लिए बधाई दी।

एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण : कार्यक्रम के अंत में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत नगर पंचायत परिसर मे वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस दौरान विधायक दीपेश साहू ने कहा हमारी माताएं हमें जीवन देती हैं, और वृक्ष धरती को जीवन देते हैं। जब हम एक पेड़ माँ के नाम लगाते हैं, तो यह प्रकृति के प्रति हमारी श्रद्धांजलि और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन जाता है। यह अभियान केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा कल सुनिश्चित करने की दिशा में एक सामाजिक संकल्प है। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे कम से कम एक पेड़ अपनी माँ या मातृ स्वरूपा महिला के नाम जरूर लगाएं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नगर पंचायत बेरला के प्रभारी नगर पालिका अधिकारी (ष्टरूह्र) हरीश साहू ने मंच से आभार प्रदर्शन करते हुए कहा यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि क्षेत्रीय विधायक की उपस्थिति में यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ। हम सभी लाभार्थियों को बधाई देते हैं और आश्वस्त करते हैं कि नगर पंचायत की ओर से हर योजनागत कार्य में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरती जाएगी।÷

हरियाली अमावस्या पर मां दंतेश्वरी मंदिर मंदिर में हुई अमुस पूजा

दन्तेवाड़ा /मूक पत्रिका

हरियाली और कृषि परंपरा से जुड़ा छत्तीसगढ़ का प्रमुख लोक पर्व हरेली हरियाली अमावस्या का पर्व 24 जुलाई को प्रदेश भर में धूमधाम से के साथ मनाया जा रहा है । वही धर्म नगरी दंतेवाड़ा की बात करें तो यहां मां दंतेश्वरी के मंदिर में परंपरा अनुसार एक दिन पूर्व वही हरेली अमुश तिहार की पूजा परंपरा निभाई गई । जिसके उपरांत आज प्रदेश भर में हरियाली अमावस्या जिसे बस्तर में अमुस तिहार के नाम से प्रचलित इस पर्व को खेती किसानी करने वाले कृषक पूरे उत्साह के साथ मना रहे हैं ।गौरतलब है कि धर्म नगरी दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर में कोई भी तीज त्योहार तिथि से एक दिन पूर्व ही मनाया जाता है यह रियासत कालीन परंपरा रही है जिसे आज भी पूरे शिद्दत के साथ निभाई जा रही है ।बस्तर के आदिवासी मां दंतेश्वरी को अपनी आराध्या कुलदेवी मानते हैं रियासत काल में कोई भी तीज त्यौहार हो पर वह पर्व से एक दिन पहले मां दंतेश्वरी मंदिरजी में ही संपन्न किए जाने की परंपरा रियासत कालीन रही है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए हम उसे तिहार से एक दिन पहले बुधवार 23 जुलाई 2025 को दंतेश्वरी मंदिर में शाम के वक्त अमुस त्यौहार पूजा विधि विधान से संपन्न किया गया। मंदिर के पुजारी लोकेंद्र नाथ जिया ने बताया कि कैलेंडर तिथि अनुसार हरेली त्यौहार 24 जुलाई गुरुवार को पड़ रही है वही मां दंतेश्वरी मंदिर में परंपरा अनुसार एक दिन पूर्व वही हरेली अमुश तिहार पूजा संपन्न किया गया सुबह से ही मंदिर के सेवादार पूरे मंदिर परिसर की धुलाई सफाई किया तथा प्रांत मंदिर के अंदर विराजे समस्त देवी देवताओं की पत्थर से निर्मित प्रतिमाओं को तिल का तेल से पौछा गया, इसके उपरांत स्वयं 5:00 बजे मां दंतेश्वरी जी की विशेष पूजा आरती संपन्न हुई । अमुस पूजा तिहार उपरांत मां दंतेश्वरी जी को गुड़ के बने चिला एवं उड़द दाल से बनाए गए बड़ा का भोग लगाया गया अमुश तिहार के दिन मीठा चीला एवं बड़ा, गुलगुला भजिया बनाने एवं खाने की परंपरा रही है लिहाजा माई जी को भी यही प्रसाद भोग चढ़ाया गया। माई जी मंदिर में बुधवार को अमुश तिहार पूजा संपन्न होने के बाद आज बस्तर अंचल में खेती किसानी करने वाले कृषक पूरे उत्साह एवं धूमधाम के साथ हरेली ,हरियाली अमुश त्यौहार मना रहे हैं और अपने कुल देवी देवताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

निषाद (केवट) समाज जिला बेमेतरा बेरला रोड सामाजिक भूमि मे हरेली के पावन सुअवसर पर वृक्षारोपण किया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

निषाद (केवट) समाज जिला बेमेतरा बेरला रोड गुनरबोड सामाजिक भूमि पर हरेली के पावन सुअवसर पर वृक्षारोपण किया गया। जिसमे प्रमुख बेल, बहेरा, जामुन, गुलमोहर, आंवला, नीम, आम इत्यादि छायादार एवं फ्लदार पौधो का वृक्षारोपण हुवा। प्रमुख रूप से बोधी राम निषाद पूर्व प्रदेश महासचिव छ. ग. निषाद,प्रदेश संगठन सचिव छत्तीसगढ़िया सर्व समाज महासंघ छतीसगढ़ एवं प्रदेश संगठन सचिव राज्य कर्मचारी संघ छतीसगढ़, वार्ड न. 01 पार्षद बेमेतरा राजकुमार खांडे, रेवा राम निषाद जिला संगठन सचिव बेमेतरा, ज्ञान प्रसाद निषाद कार्यालय सचिव जिला निषाद समाज, राजकुमार निषाद परिक्षेत्र अध्यक्ष मोहभट्टा, दुखम निषाद परिक्षेत्रीय अध्यक्ष हथमुड़ी, विष्णु निषाद, संतोष निषाद, उमेश यदु सामाजिक पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'बेटे की गिरफ्तारी इत्तेफाक नहीं , साजिश है' मोदी सरकार पर गरजे भूपेश बघेल, ईडी पर भी साधा निशाना

छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ा त्योहार, भूपेश बघेल ने निभाई परंपरा, बोले- 'हरेली हमारी आत्मा है'

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरी पारंपरिक छवि के साथ मनाया। अपने निवास पर उन्होंने हल, बैलगाड़ी और कृषि उपकरणों की विधिपूर्वक पूजा की, साथ ही गेड़ी चढ़कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनका पूरा परिवार भी मौजूद रहा।

गोठानों को लेकर सरकार पर तीखा हमला- पूर्व मुख्यमंत्री ने गोठानों को बंद करने की कथित कोशिशों को लेकर भी बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा ÷बीजेपी एक ओर गाय के नाम पर राजनीति करती है, दूसरी ओर गोठानों को खत्म करने में जुटी है। महिलाओं को जमीन खाली करने के नोटिस दिए जा रहे हैं और वहां सामुदायिक भवन बनाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गोठान केवल पशुधन के लिए नहीं, बल्कि महिला स्व सहायता समूहों की आय का भी आधार हैं। ऐसे फैसले ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रहार हैं।

÷**हरेली हमारी पहचान है**भूपेश बघेल ने गेड़ी चढ़ते हुए ग्रामीण संस्कृति को सम्मान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा ÷हरेली सिर्फ त्योहार नहीं, हमारी पहचान है। यह हमारी कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की आत्मा है। हमें इसे हर हाल में संजोकर रखना होगा।÷ खेती किसानी से जुड़े इस त्यौहार के दौरान सरकार की दुर्भावना के चलते आज प्रदेश के किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं।÷बेटे की गिरफ्तारी इत्तेफाक नहीं , साजिश है÷ मोदी सरकार पर गरजे भूपेश बघेल, ईडी पर भी साधा निशाना- छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि अडानी पर बोलने के ठीक बाद उनके बेटे को जन्मदिन पर गिरफ्तार किया गया. यह कार्रवाई एक राजनीतिक साजिश है, जिससे कांग्रेस नेतृत्व को कमजोर किया जा रहा है। अब मोदी सरकार के जाने की बारी है, रणनीति और हिम्मत के साथ लडेगे। यह कार्रवाई एक राजनीतिक साजिश छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बार फ्रि केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर तीखा हमला बोला है. अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जिस दिन उन्होंने अडानी समूह के खिलाफ आवाज उठाई, उसी दिन उनके परिवार को निशाना बनाया गया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह सब एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश का हिस्सा है, जिसमें उनके बेटे चैतन्य बघेल को निशाना बनाकर कांग्रेस के नेतृत्व को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, इसलिये परिवार पर निशाना साधा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, ÷तीन महीने पहले मेरे बेटे को गिरफ्तार नहीं किया गया, न कोई नोटिस दिया गया. लेकिन जिस दिन मैंने अडानी पर टिप्पणी की, उसी दिन मेरे बेटे को उसके ही जन्मदिन पर ईडी द्वारा उठा लिया गया. यह केवल मेरे परिवार पर हमला नहीं है, यह छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और जन आवाज़ को दबाने की कोशिश है.÷पूर्व मुख्यमंत्री ने इस कार्रवाई की तुलना स्वतंत्रता संग्राम से की. उन्होंने कहा कि उनके घर और ससुराल दोनों में स्वतंत्रता सेनानियों का इतिहास रहा है. हम अंग्रेजों से लड़े, तो मोदी और ईडी से क्यों नहीं लड़ सकते? जेल की धमकी से हम डरने वाले नहीं हैं. मेरे बाबूजी हमेशा कहते थे कि जेल हमारा दूसरा घर है और मैं वही सीख लेकर आगे बढ़ रहा हूं।÷ राजनीतिक जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि ÷मेरे पिता को जोगी सरकार ने जेल भेजा, वो सरकार गई. मुझे रमन सिंह ने जेल भेजा, उनकी सरकार भी गई. अब मोदी सरकार ने मेरे बेटे को जेल भेजा है. ये सिलसिला अब भी जारी रहेगा, लेकिन यह तय है कि सत्ता में बैठे लोग ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएंगे।÷ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं और जनता से अपील की कि लड़ाई रो-रोकर नहीं, बल्कि हिम्मत और रणनीति से लड़नी है. ÷हम डरने वालों में से नहीं हैं. हमें मिलकर साज़िशों का जवाब देना है और लोकतंत्र को बचाना है,÷ उन्होंने जोर देकर कहा। पूर्व मुख्यमंत्री के इस भावनात्मक और आक्रामक तेवर का कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी कर समर्थन किया।

संपादकीय

बहस हो, हंगामा नहीं

संसद का मॉनसून सत्र शुरू गया है, सत्र शुरु होते विपक्षी ने जोरदार हंगामा किया। देश के सामने अमेरिका के साथ ट्रेड डील और बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की समीक्षा समेत कई मुद्दे हैं, जिन पर इस सेशन में चर्चा होने की पूरी उम्मीद है। विपक्ष ने एकजुटता दिखाते हुए अपना अजेंडा तय कर लिया है, लेकिन ध्यान रखना होगा कि सत्र शोर-शराबे की भेंट न चढ़ जाए। पाकिस्तान के साथ हुए टकराव को लेकर सरकार समय-समय पर जवाब दे चुकी है। पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए उसने जब कई देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजे, तो उनमें विपक्षी सदस्यों को भी जगह दी गई। लेकिन, फिर भी कुछ सवाल हैं, जिन पर विपक्ष सीधे प्रधानमंत्री से जवाब की उम्मीद कर रहा है। इसमें सबसे अहम हैं ये सवाल कि टकराव में भारत को कितना नुकसान हुआ और सीजफायर में अमेरिका ने क्या भूमिका निभाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेनसिप रिवीजन केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी स्ढ्क्रकी टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद के बाहर सरकार और विपक्ष के सदस्यों में हाल में बेहद तल्खी देखने को मिली है। बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ, भाषा विवाद जैसे मुद्दों को लेकर टकराव हुआ है, लेकिन आशा की जानी चाहिए कि यह टकराव सदन के भीतर सकारात्मक बहस तक सीमित रहेगा। इस मामले में बजट सत्र को नजीर बनाया जा सकता है, जहां वक्फ बिल पर तीखी चर्चा के बावजूद दोनों सदनों ने अपनी क्षमता से बढ़कर काम किया। इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। बजट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। पिछ्ला शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है।

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है। क्योंकि, भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नए विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है।

भारत में तेज गति से आगे बढ़ता पर्यटन उद्योग

(प्रह्लाद सबनानी)

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है।

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है। क्योंकि, भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नए विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है।

हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं।

विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अतः अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। इसके पूर्व में केंद्र सरकार ने भी देश के 12 शहरों को 'हृदय' योजना के अंतर्गत भारत के विरासत शहरों के तौर पर विकसित करने की घोषणा की है। ये शहर हैं, अमृतसर, द्वारका, गया, कामाख्या, कांचीपुरम, केदारनाथ, मथुरा, पुरी, वाराणसी, वेल्लांकनी, अमरावती एवं अजमेर। हृदय योजना के अंतर्गत इन शहरों का सौंद्रयीकरण किया जा रहा है ताकि इन शहरों की पुरानी विरासत को पुनर्विकसित कर पुनर्जीवित किया जा सके। इस हेतु देश में 15 धार्मिक सर्किट भी विकसित किये जा रहे हैं। 'हृदय' योजना को लागू करने के बाद से केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने कई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें से अधिकतर परियोजनाओं पर काम भी प्रारम्भ हो चुका है। इन सभी योजनाओं का चयन सम्बंधित राज्य सरकारों की राय के आधार पर किया गया है।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपए का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। देश के नागरिक एवं अन्य देशों के पर्यटक भारत में पर्यटन के लिए घरों से बाहर निकलने लगे हैं। भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं आम भारतीयों की डिसपोजेबले आय में भी वृद्धि दर्ज हुई है। अतः भारतीय नागरिक, विदेशी स्थलों पर पर्यटन के लिए जाने के स्थान पर अब भारत में ही विभिन्न स्थलों पर पर्यटन करने लगे हैं। इस बीच देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है। होटल उद्योग ने भारी मात्रा में होटलों का निर्माण कर पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध कमरों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। रेल एवं हवाई यात्रा को बहुत सुगम बनाया गया है तथा 4 लेन से लेकर 8 लेन की सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यटकों के लिए यातायात की सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है। इससे कुल मिलाकर अब भारतीय परिवार अपने घर से बाहर भी घर जैसा वातावरण एवं आराम महसूस करने लगे है। अतः अब भारतीय परिवार वर्ष में कम से कम एक बार तो पर्यटन के लिए अपने घर से बाहर निकलने लगे हैं।

वर्ष 2023 में भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों में 124 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है और 1.92 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए हैं, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटन से विदेशी मुद्रा की आय 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.71 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गई है। गोवा, केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, पश्चिमी बंगाल एवं पंजाब में देशी पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। अब तो उत्तर प्रदेश भी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। वर्ष 2022 में 31.7 करोड़ भारतीय पर्यटक उत्तर प्रदेश पहुंचे हैं। वर्ष 2023 में तमिलनाडु में 10 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे हैं। वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित किए गए महाकुम्भ मेले के अवसर पर लगभग 66 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी के पावन तट पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचे हैं, जो अपने आप में विश्व रिकार्ड है।

भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। देश में पर्यटन उद्योग में 87 प्रतिशत हिस्सा देशी पर्यटन का है जबकि शेष 13 प्रतिशत हिस्सा विदेशी पर्यटन का है। अतः भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों को विकसित करने हेतु प्रयास कर रही हैं। पर्यटन उद्योग में कई प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का समावेश रहता है। यथा, अतिथि सत्कार, परिवहन, यात्रा इंतजाम, होटल आदि। इस क्षेत्र में व्यापारियों, शिल्पकारों, दस्तकारों, संगीतकारों, कलाकारों, होटेल, वेटर, कूली, परिवहन एवं टूर आपरेटर आदि को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

केंद्र सरकार के साथ साथ हम नागरिकों का भी कुछ कर्तव्य है कि देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम भी कुछ कार्य करें। जैसे प्रत्येक नागरिक, देश में ही, एक वर्ष में कम से कम दो देशी पर्यटन स्थलों का दौरा अवश्य करे। विदेशों से आ रहे पर्यटकों के आदर सत्कार में कोई कमी न रखें ताकि वे अपने देश में जाकर भारत के सत्कार का गुणगान करे। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह प्रण करे की प्रतिवर्ष कम से कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण हेतु प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दुगना किया जा सकता है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक)।

अस्मिता का अपहरण- 'लव जिहाद' की आईएसआईएस शैली

(प्रणय विक्रम सिंह)

ब्रह्मा बिष्नु महेसु नहिं जानाँ
असि माया जग तें निधानाँ

जब त्रिदेव भी मायाजाल के रहस्य को न समझ सकें, तो सोचिए, जब आधुनिक युग में यह मायाजाल मजहब के मुखौटे में मोहब्बत का स्वांग रचाए, तब एक सामान्य नारी कितनी असहाय होगी।

ज्ञातव्य है कि जब नारी की पहचान को मिटाने का षड्यंत्र रचा जाता है, तब उसकी मर्यादा, उसके मान, उसके नाम, उसकी पूजा और पहचान पर संकट आता है और वह संकट केवल एक व्यक्ति या एक परिवार का नहीं होता, वह संकट पूरे समाज का, पूरे धर्म का, पूरे राष्ट्र का होता है।

उत्तर प्रदेश में 'मिशन अस्मिता' की गूंज आज उसी संकट के विरुद्ध संवैधानिक और सांस्कृतिक शंखनाद है। एक ऐसा उद्घोष जिसमें मर्यादा की रक्षा के लिए राज्य, राष्ट्र और धर्म एक ही रेखा में खड़े हो जाते हैं।

'मिशन अस्मिता' मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में इसी धर्म-ध्वंसकारी साजिश के विरुद्ध एक राष्ट्रधर्मी रिएक्शन है। यह केवल 'लव जिहाद' के अभियानों पर 'लॉ-एनफोर्समेंट स्ट्राइक' नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा पर हो रहे 'साइकोलॉजिकल वारफेयर' के विरुद्ध संविधान और संस्कृति की संयुक्त प्रतिज्ञा है।

'मिशन अस्मिता' उस अदृश्य मजहबी युद्ध के विरुद्ध उद्घोष है, जिसमें पंथ, प्रेम और पैसे की तिकड़ी से बेटियों को फंसाकर उनका धर्मांतरण कराया जा रहा था। यह अभियान केवल वैचारिक आक्रमण पर प्रहार नहीं, भारत की सांस्कृतिक भूगोल को अपवित्र करने की साजिश का विध्वंस है।

'प्रेम' के नाम पर पहचान की लूट- मजहबी गिरोह का नंगा सच- जब आगरा की दो बहनों के लापता होने की सूचना पुलिस के पास पहुंची, तब शायद ही किसी को अनुमान रहा होगा कि यह मामला केवल गुमशुदगी का नहीं, बल्कि भारत की बेटियों को धर्मांधता की दलदल में धकेलने का एक वैश्विक षड्यंत्र। नाम बदले गए, ईश्वर बदला गया और सबसे अंत में बदली गई पहचान। छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन जैसे तत्व उस मजहबी मशीनरी के दलाल हैं, जिनका मकसद मात्र कन्वर्जन नहीं, संस्कृति का संहार है।

ये केवल बेटियां नहीं थीं, ये सीता की संततियां थीं, जिन्हें किसी 'रावण' ने नहीं, बल्कि आधुनिक माया-मोह और मजहबी मार्केटिंग रूपी 'कालनेमि' द्वारा अगवा किया।

धर्मांतरण नहीं, राष्ट्रांतरण- डीजीपी राजीव कृष्ण का वक्तव्य केवल एक पुलिसिया रिपोर्ट नहीं, एक सांस्कृतिक मैनिफेस्टो है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गतिविधि सिर्फ भारतीय दंड संहिता की धारा 366 का उल्लंघन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर मजहब के मुक्के का प्रहार है। यह वास्तविक रूप से 'हिंदू घटा, देश बंटा' की वैश्विक साजिश का हिस्सा है। यह मामला छद्म प्रेम का मुखौटा पहनकर कनाडा, दुबई और अमेरिका से फंडिंग प्राप्त करने वाले स्लीपर मॉड्यूल्स का है, जो 'मुस्तफा उर्फ मनोज', 'अली हसन उर्फ शेखर रॉय', और 'एस.बी. कृष्णा उर्फ आयशा' जैसे नामों के पीछे आईएसआईएस शैली में ब्रेनवॉश और रूपांतरण की फैक्ट्री चला रहे थे।

आईएसआईएस शैली में फैला मजहबी मायाजाल

एडीजी अमिताभ यश के शब्दों में, 'इस नेटवर्क की कार्यप्रणाली आईएसआईएस की सिग्नेचर स्टाइल से मेल खाती है।' यह केवल अंतर-धार्मिक विवाह नहीं, बल्कि ब्रेनवॉश और रैडिकलाइजेशन का सुनियोजित षड्यंत्र था। गोवा की आयशा उर्फ एस.बी. कृष्णा, कोलकाता का अली हसन, दिल्ली का मुस्तफा उर्फ मनोज, आगरा के ओसामा व रहमान कुरैशी, इन सभी की योजना एक थी कि पहचान मिटाओ, पूजा बदलो, पंथ बदलो। यह कथा किसी 'सीता' की अपहरण-गाथा है, जहां कोई 'हनुमान' न होता तो वे लौट भी न पातीं।

रावण नहीं, कूटनीतिक कालनेमि- यह सीता का अपहरण नहीं, बल्कि सहमति से अपहरण की साजिश थी, जिसमें नारी की स्वतंत्रता का ढोल पीटकर उसकी संस्कृति को जकड़ने वाले 'कालनेमि' आजकल 'प्रेमी' का वेश धर रहे हैं। इनका मकसद 'मंदिर की लड़की' को 'मस्जिद की बंदी' बनाना है।

लेकिन 'हनुमान' की शक्ति जब 'योगी' के आदेश पर प्रशासन का रूप लेती है, तब 'भय बिनु होई न प्रीति' की चौपाई स्वयं 'मिशन अस्मिता' का प्रस्थान बिंदु बन जाती है।

उत्तर प्रदेश का 'विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021' अब कानून नहीं, क्रांति है। यह कानून कहता है कि प्रेम की परिणति यदि उपासना बदलवाने पर हो, तो वह प्रेम नहीं, जिहाद है।

अब दस साल की सजा केवल 'धर्मांतरण' पर नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक संहार' पर लागू होगी। हर पीड़िता की आंखों में अब एफआईआर नहीं, न्याय का दीप जलेगा।

उत्तर प्रदेश एसटीएफ, एटीएस और स्थानीय पुलिस की 11 टीमें, जिनके दम पर 6 राज्यों से 10 अभियुक्त गिरफ्तार हुए, वे पुलिस नहीं, रामसेना थीं। हर गिरफ्तारी उस अभिशप्त पल का प्रतिकार है, जब कोई 'रुक्मिणी' सोचती थी कि क्या मेरी श्रद्धा अब मेरी सहमति से छीन ली जाएगी?

अब एसटीएफ केवल स्पेशल टास्क फोर्स नहीं बल्कि यह 'संस्कृति ट्रस्ट फोर्स' बन चुकी है। स्झस्र की टीमें केवल धरपकड़ नहीं कर रही थीं, वे डिकॉय ऑपरेशंस, डिजिटल लोकेशन ट्रेसिंग और डार्क फंडिंग लिंक की परतें भी खोल रही थीं। ट्रैपिंग से ट्रैकिंग और ट्रांसफर तक, पूरे मिशन का संचालन 'ऑपरेशन लिंकेज' नामक इंटरलिंक्ड मैनुअल पर आधारित था, जिसके तहत नेटवर्क में प्रयुक्त ड्यूल आइडेंटिटी डॉक्युमेंट्स, फेक सोशल प्रोफाइल्स, और बैंकिंग चैनलों की फोरेंसिक छानबीन की गई।

यह वही एसटीएफ है, जिसने बीहड़ों में बागी ढूंढे थे, अब वही शहरी जंगल में जिहादी नेटवर्क का डिजिटल चेहरा उजागर कर रही है।

जिस तरह हनुमान जी अशोक वाटिका से माता सीता का समाचार लाए थे, उसी तरह एसटीएफ की टीमें आज उन बेटियों को चुपचाप मौत की ओर बढ़ते रास्तों से खींचकर जीवन के आलोक में वापस ला रही हैं।

यह कोई फिल्म नहीं, फाइल नहीं, यह एक नई रामकथा का आधुनिक संस्करण है। जहां हर वर्दी एक वानर है, हर वायरटैप एक संजीवनी और हर आरोपी कालनेमि का एक मायावी रूप।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसी संकट के समाधान हेतु 'मिशन अस्मिता' को लॉन्च किया गया है। यह कोई चुनावी चक्रव्यूह नहीं, यह चेतना की चौकसी है। यह वह नैतिक नरसिंह अवतार है, जो मजहबी हिरण्यकश्यप के 'डार्क वेब' किले को फाड़कर अस्मिता की रक्षा करेगा।

घुसपैठी वोट बैंक, राष्ट्रघाती टैंक

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी चुनाव आयोग को बीजेपी का पिट्ठू बता रहे हैं. विपक्षी नेताओं का रवैया यह संदेह उत्पन्न कर रहा है कि, घुसपैठी उन्हीं के वोट बैंक हैं. बिहार में वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण पर कांग्रेस और आरजेडी द्वारा खड़े किए जा रहे विवाद को तो समझा जा सकता है, क्योंकि वहां चुनाव बहुत करीब है. सीमित समय में गहन पुनरीक्षण को अंजाम दिया जा रहा है. लेकिन पश्चिम बंगाल में तो अभी चुनाव काफी दूर है। चुनाव आयोग ने पूरे देश में वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण की मंशा ज़ाहिर कर दी है. इसका मतलब है बंगाल और दूसरे राज्य में भी पुनरीक्षण होगा. ममता बनर्जी ने इसको घुसपैठियों के खिलाफ नहीं बल्कि अपने खिलाफ मान लिया है. क्योंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए अब राजनीतिक रूप से तो गहन पुनरीक्षण को नहीं रोका जा सकता।

(सरयूसुत मिश्रा)

घुसपैठी वोट बैंक के लिए संविधान और देश को दांव पर लगाया जा रहा है। वोटर लिस्ट में घुसपैठियों का नाम हटाने के लिए प्रतिबद्ध संवैधानिक चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट से लड़ाने की कोशिश हो रही है..! चुनाव आयोग को नागरिकता जानने का अधिकार नहीं होने की बात कर वोटर लिस्ट से घुसपैठी विदेशी नागरिकों को हटाने की मुहिम को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी चुनाव आयोग को बीजेपी का पिट्ठू बता रहे हैं. विपक्षी नेताओं का रवैया यह संदेह उत्पन्न कर रहा है कि, घुसपैठी उन्हीं के वोट बैंक हैं. बिहार में वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण पर कांग्रेस और आरजेडी द्वारा खड़े किए जा रहे विवाद को तो समझा जा सकता है, क्योंकि वहां चुनाव बहुत करीब है. सीमित समय में गहन पुनरीक्षण को अंजाम दिया जा रहा है. लेकिन पश्चिम बंगाल में तो अभी चुनाव काफी दूर है। चुनाव आयोग ने पूरे देश में वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण की मंशा ज़ाहिर कर दी है. इसका मतलब है बंगाल और दूसरे राज्य में भी पुनरीक्षण होगा. ममता बनर्जी ने इसको घुसपैठियों के खिलाफ नहीं बल्कि अपने खिलाफ मान लिया है. क्योंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए अब राजनीतिक रूप से तो गहन पुनरीक्षण को नहीं रोका जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक रूप से कोई निर्णय कर सकता है लेकिन गहन पुनरीक्षण को तो उसने भी स्वीकार कर लिया है. विवाद पहचान पत्रों पर सिमट गया है. अब विवाद इस पर आ गया है कि, चुनाव आयोग को नागरिकता की जांच करने का अधिकार नहीं है? यह बात सही भी है, कानूनी रूप से यह अधिकार गृह विभाग को है।

संविधान चुनाव आयोग को यह अधिकार देता है कि, अट्ठारह वर्ष आयु से ऊपर के भारतीय नागरिकों को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करें. इसी के लिए वोटर लिस्ट बनाई जाती है. हर साल उसका चार बार अपडेशन किया जाता है. पहले एक बार ही यह होता था लेकिन अब यह अपडेशन चार बार होने लगा है. क्योंकि हर तीन महीने में बड़ी संख्या में युवा अठारह वर्ष की आयु पूरी करते हैं. किसी को भी मतदान के अधिकार से वंचित न होना पड़े इसलिए हर तीन महीने में वोटर लिस्ट अपडेशन किया जाता है। विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया पहले भी होती रही है. इसमें चुनाव आयोग इस बात का परीक्षण करता है, कि कोई भी घुसपैठी या विदेशी नागरिक मतदाता सूची में

शामिल न रहे. साथ ही पात्र मतदाता तो सभी उसमें रहें लेकिन जिनका निधन हो गया हो, जिन्होंने अपना निवास स्थान बदल दिया हो, उनका नाम हटाकर वोटर लिस्ट को अपडेट कर दिया जाए। आधार कार्ड पहचान के रूप में देश में स्वीकार है लेकिन इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता. अगर कोई छ्ह माह से अधिक समय तक भारत में निवास करता है तो कानून के मुताबिक किसी विदेशी नागरिक को भी आधार कार्ड पाने की पात्रता हो जाती है. आधार कार्ड को विशेष पुनरीक्षण में स्वीकार नहीं किया जा रहा है. संविधान में भारत के नागरिक के लिए जो आधार बताए गए हैं, उन्हीं आधारों को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों को आयोग द्वारा मांगा जा रहा है।

राजनीतिक दल इस पूरी प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से विवादास्पद बना रहे हैं. पूरे मुद्दे को भटकाया जा रहा है. मीडिया भी इसमें सहयोगी बन जाता है. किसी भी व्यक्ति को एक स्थान पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करने का अधिकार है. अगर कोई पलायन कर गया है और उसने दूसरी जगह अपना नाम दर्ज करा लिया है तो फिर उसका मूल स्थान पर वोटर लिस्ट में नाम नहीं हो सकता। वोटर लिस्ट रिवीजन चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की सहयोग से ही करता है. राजनीतिक दलों के एजेंट बूथ लेवल तक इस पूरी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं. यह राजनीतिक दलों की ही जिम्मेदारी है कि, अपने बूथ के पात्र मतदाताओं को लिस्ट में शामिल कराएं. इसके लिए जरूरी दस्तावेज तैयार कराएं. इसी से तो उनका वोटर बेस तैयार होता है. जमीन पर चूंकि राजनीतिक दल कटे होते हैं, पूरी राजनीति मार्केट के भरोसे हो गई है. व्यक्तिवाद की राजनीति हावी हो गई है. इसलिए गलत या सही परसेप्शन बनाने में राजनीति व्यस्त रहती है। घुसपैठयों को नागरिकता देने के बारे में सरकार के नियम बने हुए. हर देश में नागरिकता के नियम है. भारत दुनिया का अकेला देश है जहां नागरिकता के लिए कोई अलग रजिस्टर नहीं है. भारत सरकार ने एनआरसी का कानून बनाया है लेकिन उसका भी यही सारे विपक्षी दल विरोध करते पाए जाते हैं. ऐसा बताया जाता है कि पूरे देश में लगभग दो करोड़ घुसपैठिये, जिनमें मुख्य रूप से बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल से आए रोहंग्या मुसलमान बताए जाते हैं। भाजपा हमेशा से घुसपैठियों को कांग्रेस और विरोधी दलों का वोट बैंक मानती है, इसीलिए उनका पुरजोर विरोध करती है. जिन राज्यों के बॉर्डर इन देशों से मिलते हैं, वहां से घुसपैठ होती है. सर्वाधिक विवाद बंगाल से जुड़ा हुआ है. बिहार में भी नेपाल से बड़ी संख्या में घुसपैठ बताई जाती है. सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि घुसपैठियों को क्या भारत के लोकतंत्र को हाईजैक करने का अवसर दिया जा सकता है? क्या घुसपैठियों के समर्थन से राजनीतिक दल सत्ता तक पहुंचने के अपने सपने को पूरा करें, यह देश के हित में है?

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचान कर उनके देश वापस भेजने की सरकार की मुहिम में बाधा पहुंचाने के लिए ममता बनर्जी बांग्ला भाषियों के अपमान का मुद्दा खड़ा कर रही हैं. इसके लिए कोलकाता में प्रदर्शन कर रही है. बीजेपी आरोप लगाती है कि, बांग्ला भाषी किसी भी व्यक्ति का देश में या राज्य में कोई अपमान नहीं हो रहा है. ममता बनर्जी अपने वोट बैंक रोहंगिया मुसलमान को वोटर लिस्ट से हटाए जाने की प्रक्रिया को रोकने के लिए इस तरह का राजनीतिक अभियान चला रही हैं। घुसपैठी देश के लोकतंत्र को हाईजैक कर रहे हैं. बहुमत के लिए घुसपैठियों को पहचान पत्र दिए जाते हैं. फिर वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जाते है. बहुमत से प्रीति राजनीति की मजबूरी हो सकती है लेकिन ऐसी राजनीति देश को तोड़ने लगी है. एक भी घुसपैठिये का नाम किसी भी राज्य के वोटर लिस्ट में होना चुनाव आयोग की असफलता होगी साथ ही देश की चुनाव प्रक्रिया संविधान मुताबिक नही होगी।

राजनीतिक दलों के विरोधी अभियान से बिना डरे, बिना झुके, चुनाव आयोग को अपनी संवैधानिक सत्ता लोकतंत्र को समर्पित करना चाहिए. राजनीतिक दल और नेता तो आएंगे और मिट जाएंगे लेकिन लोकतंत्र और देश हमेशा रहेगा. घुसपैठियो का कलंक देश से मिटना जरूरी है. यह नहीं कर पाना राष्ट्रघात ही माना जाएगा।

सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का ईरान ने परीक्षण किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सोमवार को एक उप-कक्षीय परीक्षण उड़ान के तहत अपने सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का परीक्षण किया। यह परीक्षण जून में ईरान-इज़राइल युद्ध और अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद पहला ऐसा परीक्षण है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, यह परीक्षण अंतरिक्ष तकनीक में नई उभरती तकनीकों का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। घासेद रॉकेट ठोस और तरल ईंधन से संचालित होता है और इसे पहली बार 2020 में प्रक्षेपित किया गया था। यह परीक्षण ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम और उपग्रह क्षमताओं को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

ट्रंप प्रशासन ने 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिका की एक संघीय अदालत में अहम मुकदमे की सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। हार्वर्ड ने दलील दी कि ट्रंप प्रशासन ने उसके 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा गया है। प्रशासन ने हार्वर्ड पर उदारवाद और यहूदी विरोध का अड्डा होने का आरोप लगाया है। हार्वर्ड ने इसका विरोध किया है और फंड कटौती के खिलाफ यह मुकदमा उच्च शिक्षा जगत में ध्यान आकर्षित कर रहा है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इससे अनुसंधान, करियर और प्रयोगशालाओं को नुकसान होगा। सरकार ने कहा कि ट्रंप के आदेशों का उल्लंघन होने पर वह फंड रोकने का अधिकार रखती है।

जोहरान ममदानी अमेरिका से युगांडा गए, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के डेमोक्रेटिक नेता का युगांडा दौरा चर्चा में है। न्यूयॉर्क सिटी में मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी अपनी शादी का जश्न मनाने जन्मस्थान युगांडा गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह निजी यात्रा पर इस पूर्वी अफ्रीकी देश में आए हैं और जुलाई के अंत तक न्यूयॉर्क सिटी लौट आएंगे। आगामी नवंबर में होने वाले चुनाव में 33 वर्षीय ममदानी का मुकाबला एंड्रयू कुओमो और मौजूदा मेयर एरिक एडम्स जैसे उम्मीदवारों से है।

ब्रिटेन में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर फेंके पत्थर और अंडे

लंदन , एजेंसी। लंदन के पास एक होटल में रह रहे शरणार्थियों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान ब्रिटेन की पुलिस पर पत्थर और अंडे फेंके जाने की खबर है। पुलिस ने कहा कि रविवार को यौन शोषण के शक में गिरफ्तारी के बाद 100 से अधिक प्रदर्शनकारी जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने सेव अवर किड्स और सेंड देम होम जैसे नारे लगाए। विरोध उग्र होने पर पुलिस की गाड़ियों पर हमला हुआ। ऐसे प्रदर्शन पिछले सप्ताह भी हुए थे। पुलिस ने हिंसा से सख्ती से निपटने की चेतावनी दी है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति का अमेरिका दौरा, ट्रंप के साथ मुलाकात में टैरिफ और चीन के मुद्दे पर होगी बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दीनांद मार्कोस जूनियर की मंगलवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात होगी। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच सुरक्षा और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में हिंद प्रशांत महासागर काफी अहम हो गया है। इससे पहले सोमवार को फिलीपींस के राष्ट्रपति ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की।

पेंटागन ने लॉस एंजिलिस से 700 सैनिक वापस बुलाए

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा विभाग- पेंटागन ने लॉस एंजिलिस से 700 सैनिक वापस बुला लिए हैं। पेंटागन ने यह आदेश ऐसे समय में दिया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आपत्तियों के बावजूद उन्हें शहर में तैनात करने को कहा था। अब लगभग एक महीने से अधिक समय बाद पेंटागन ने अमेरिकी मरीन को सोमवार को लॉस एंजिल्स छोड़ने का आदेश दिया। बता दें कि अमेरिका के 700 मरीन सैनिकों को 9 जून को लॉस एंजिल्स शहर में आव्रजन पर प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के चौथे दिन तैनात किया गया था।

मेरी आंखों के सामने जिंदा जले बच्चे, महिला टीचर ने सुनाई आपबीती

अबतक 27 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी।
पूर्णिमा दास पेशे से अध्यापिका हैं। रोज की तरह सोमवार को भी वो बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूल गईं थीं। पूर्णिमा अपनी क्लास खत्म करके स्टाफ रूम में पहुंची ही थीं कि बाहर एक जोरदार धमाका सुनाई दिया। पूर्णिमा जल्दी से भागकर बाहर आईं तो उनके साथ पढ़ाने वाले एक टीचर तेजी से पूर्णिमा की तरफ भागकर आ रहे थे। उनका पूरे शरीर में आग लगी थी और वो बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। इससे पहले की पूर्णिमा कुछ समझ पाती वो शख्स जमीन पर गिर गया।

पूर्णिमा बुत बनी वहीं खड़ी रहीं। जब उन्होंने अपने आसपास नजर दौड़ाई तो देखा स्कूल के पूरे कॉरिडोर में आग फैल चुकी हैं। जिन बच्चों को वो अभी कुछ देर पहले ही पढ़ाकर आई थीं, वो बच्चे आग का गोला बनकर खुद के बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं।

27 लोगों की मौत: यह खौफनाक मंजर बांग्लादेश के ढाका में स्थित माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज का था। सोमवार को वायुसेना का एक विमान असंतुलित होकर स्कूल पर जा गिरा।

इस हादसे में 16 बच्चों समेत 19 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग आग में बुरी तरह से झुलस गए थे। वहीं, अब मृतकों की संख्या 27 तक पहुंच गई है। पूर्णिमा दास ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए हादसे का आंखोंदेखा हाल बयान किया है। पूर्णिमा ने लिखा- हादसे के बाद 80 प्रतिशत बच्चे घर चले गए। पूरे परिसर में डरावनी आवाजें गूंज रहीं थीं। छोटे-छोटे बच्चे मेरी आंखों के सामने जिंदा जल गए। कुछ बच्चों को बचाने के लिए मैं भागकर वॉशरूम से पानी भी लाई, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पूरी बिल्डिंग में भीषण आग लगी थी। कोई मुझे खींचकर बाहर ले गया।

शिक्षिका का छलका दर्द: पूर्णिमा दास के अनुसार, ÷जब मैं 5 मिनट बाद वापस लौटी तो हर तरफ जली हुई लाशें पड़ी थीं। पता नहीं मुझे कोई खरोंच क्यों नहीं आई। मैं कुछ देर पहले ही उस क्लास से बाहर निकली थी। मेरी आंखों के सामने उन मासूम बच्चों के चेहरे घूम रहे हैं।÷

बता दें कि बांग्लादेश वायुसेना का क्रैश हुआ विमान स्न-7क्चत्रढ्ढ है, जिसे चीन के छ्व-7 लड़ाकू विमान का एडवांस वर्जन माना जाता है।

आपकी अर्थव्यवस्था चौपट कर देंगे..., अमेरिकी सांसद ने क्यों दी भारत और चीन को धमकी?

वाशिंगटन , एजेंसी।
रूस को यूक्रेन के साथ सीजफायर पर राजी करने के लिए ट्रंप हर मुमकिन हथकंडा अपना रहे हैं। इसी कड़ी में ट्रंप ने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर भी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। वहीं, अब ट्रंप की पार्टी के सांसद ने भारत और चीन को खुली धमकी दे डाली है। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद लिंडसे ग्राहम ने भारत और चीन को हिदायत दी है कि अगर उन्होंने रूस से व्यापार जारी रखा तो ट्रंप दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगा देंगे। दरअसल ग्राहम ही वो शख्स हैं, जिन्होंने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव पेश किया था। इस लिस्ट में भारत और चीन का नाम शामिल था। वहीं, अब ग्राहम ने धमकी दी है कि अगर इन देशों ने रूस से सामान खरीदना बंद नहीं किया तो इनकी अर्थव्यस्था बर्बाद हो जाएगी। चीन, रूस और ब्राजील जैसे देश, जो रूस से तेल खरीदते हैं , ट्रंप जल्द ही उनपर टैरिफ लगाने वाले हैं। मैं इन देशों से यही कहना चाहता हूं कि अगर आपने कम पैसों के चलते रूस से खरीददारी जारी रखी तो जंग चलती रहेगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम आपको बुरी तरह

से बर्बाद कर देंगे। आपकी अर्थव्यस्था चौपट कर दी जाएगी। ग्राहम का दावा है कि चीन, भारत और ब्राजील रूस का 80 प्रतिशत तेल खरीदते हैं, जिससे पुतिन को युद्ध जारी रखने में मदद मिलेगी। यह एक तरह का ब्लड मनी है। पुतिन तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक उन्हें रोका नहीं जाएगा। बता दें कि ग्राहम से पहले नाटो भी चीन और भारत पर टैरिफ लगाने की धमकी दे चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को सीजफायर पर हामी भरने के लिए 50 दिन का समय दिया है। यह समयसीमा 2 सितंबर 2025 तक पूरी हो जाएगी। ट्रंप का कहना है कि अगर रूस सीजफायर पर राजी नहीं हुआ तो उसपर 500 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा।

गीता गोपीनाथ का आईएमएफ से इस्तीफा, दोबारा हावर्ड विश्वविद्यालय लौटेंगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एलान किया कि वो दोबारा हावर्ड विश्वविद्यालय लौटना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने विस्तार से इस बात की जानकारी नहीं दी है कि उनकी हावर्ड विश्वविद्यालय में क्या भूमिका रहेगी। आईएमएफ ने जानकारी दी कि उचित समय पर गोपीनाथ के उत्तराधिकारी की घोषणा की जाएगी। आईएमएफ की नंबर-2 की कुर्सी संभालने वालीं गीता पहली महिला हैं। गीता गोपीनाथ पहली महिला हैं, जो आईएमएफ की चीफ इकोनॉमिस्ट बनीं भारतीय मूल की गीता गोपीनाथ का जन्म 8 दिसंबर 1971 को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हुआ था। हालांकि, उनके माता-पिता केरल के कन्नूर से ताल्लुक रखते थे।

प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी की चचेरी बहन की संदिग्ध मौत, शव के पास मिली बंदूक

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमार हैरी की चचेरी बहन रोजी रोश की संदिग्ध हालात में अपने घर में मौत हो गई। उनके शव के पास बंदूक पड़ी मिली। हालांकि पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है। अफसरों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत राजकुमारी डायना के चाचा की पोती रोजी रोश विल्टशॉयर में रहती थी। 20 वर्षीय रोजी अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए सामान पैक कर रहीं थीं। इस दौरान उनकी मां और बहन ने कमरे में उनका शव पड़ा देखा। शव को देखकर दोनों के होश उड़ गए। घटनास्थल से बंदूक बरामद की गई। कोरोनर ग्रांट डेविस ने कहा कि पुलिस ने रोजी की मौत को गैर संदिग्ध माना है। उन्होंने माना कि रोजी की मौत में किसी तीसरे का हाथ नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि रोजी ने खुदकुशी की होगी। एक लेख में उनको ह्यू और पिप्पा की प्यारी बेटी, आर्ची और अगाथा बहन, डेरेक और रे लॉन्ग की पोती बताया गया। रोजी डरहम विश्वविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन कर रही थी। वह दोस्तों के साथ छुट्टी पर जाने के लिए बेहद उत्साहित थीं। एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी बहुत याद आएगी। परिवार ने उनके निधन को लेकर निजता बनाए रखने की अपील की है। उनको निधन के बाद निजी अंतिम संस्कार और निजी श्रद्धांजलि सभा होगी। इससे पहले फरवरी 2024 में हैरी और विलियम की चचेरी बहन लेडी गैब्रिएला किंग्स्टन के पति थॉमस किंग्स्टन की सिर में चोट लगने से मौत हो गई थी।

तेल टैंकरों में रहस्यमयी धमाकों के बाद पुतिन का फरमान, विदेशी जहाजों की एंट्री पर नई शर्त

मॉस्को, ब्लूमबर्ग, एजेंसी।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के सभी समुद्री बंदरगाहों पर विदेशों से आने वाले जहाजों की जांच और एंट्री के नियम और सख्त कर दिए हैं। अब किसी भी विदेशी जहाज को रूसी समुद्री बंदरगाह में प्रवेश के लिए पोर्ट कप्तान की अनुमति लेनी होगी, जो फेडरल सिक्योरिटी सर्विस यानी रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी के साथ मिलकर दी जाएगी। पहले तक, यह मंजूरी केवल उन्हीं जहाजों के लिए जरूरी थी जो रूसी नौसैनिक बेस के आसपास के पोर्ट्स पर आते थे, लेकिन अब यह देश के सभी बंदरगाहों पर लागू होगी।

क्यों किया गया यह बदलाव?: हाल के महीनों में रूसी या रूसी बंदरगाहों पर गए तेल टैंकरों पर कई रहस्यमय ब्लास्ट हुए हैं। सबसे ताजा धमाका करीब एक महीने पहले लीबिया के पास एक ऐसे जहाज पर हुआ था, जो इसके पहले रूस के बाल्टिक बंदरगाह उस्त-लुगा और ब्लैक सी पोर्ट नोवोरोसिस्क पर भी रुका था। इन धमाकों के कारण सुरक्षा एजेंसियों ने संदेह जताया है कि किसी राज्य-प्रायोजित एजेंसी ने रूसी तेल टैंकरों

को निशाना बनाया हो सकता है। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, रूस की सुरक्षा परिषद ने भी बंदरगाहों की सुरक्षा के उपायों को बढ़ाने की सिफारिश की थी।

किस तरह बढ़ेगी निगरानी?: बंदरगाहों पर पहुंचने वाले जहाजों के पतवार (हुल) की अंडरवॉटर जांच के लिए रूस के पोर्ट अथॉरिटी ने बड़ा टेंडर निकाला है, जिसमें 3.16 अरब रूबल (करीब 40.4 मिलियन) खर्च किए जाएंगे। अब जहाज मालिक गोताखोरों और अंडरवॉटर ड्रोन की मदद से ऐसे जहाजों की जांच करा रहे हैं, जिन्होंने कभी रूसी बंदरगाहों पर लंगर डाला हो–इनमें बारूदी सुरंग या विस्फोटक लगाने का डर सता रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध: फरवरी 2022 के बाद से रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच दोनों देश एक-दूसरे की ऊर्जा संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन कई बार रूसी ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले कर चुका है, जबकि रूस भी यूक्रेन के ऊर्जा संसाधनों को निशाना बना रहा है। तेल टैंकरों पर हो रहे रहस्यमय विस्फोट इसी रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं।

परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने की तैयारी में ईरान, तुर्किये में यूरोपीय देशों से करेगा बात

तेहरान, एजेंसी।
पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे।

इस्राइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी की है। ईरान अब तुर्किये में यूरोपीय देशों के साथ परमाणु वार्ता करने जा रहा है। इस्राइल के साथ युद्ध विराम के बाद यह पहला मौका है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई शुरुआत करने जा रहा है। हालांकि मई में भी इस्तांबुल में ऐसी ही बैठक हुई थी।

पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इन तीनों राष्ट्रों को ई3 के रूप में जाना जाता है। बैठक में यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख काजा कालास भी शामिल होंगे।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि बातचीत का विषय साफ है। पहला प्रतिबंधों को हटाना और दूसरा ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दे। यह बैठक उप-मंत्री स्तर पर होगी। जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मार्टिन गिसे ने कहा कि वार्ता विशेषज्ञ स्तर पर हो रही है। ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करना चाहिए। इसलिए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ईरानी परमाणु कार्यक्रम के स्थायी और सत्यापन योग्य कूटनीतिक समाधान के लिए उच्च दबाव में काम करना जारी रख रहे हैं। यह कार्रवाई अमेरिका के साथ भी समन्वित है। गीसे ने कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि यदि अगस्त के अंत तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो श्व3 के लिए स्नैपबैक एक विकल्प बना रहेगा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि तीनों यूरोपीय देशों के पास इस तरह के तंत्र को लागू करने के लिए कानूनी, राजनीतिक और नैतिक आधार का अभाव है, और उन्होंने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी पर समझौते में अपनी प्रतिबद्धताओं को बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया।

अराघची ने कहा कि इन हालात में स्थापित तथ्यों और पूर्व संचार की अवहेलना करते हुए स्नैपबैक को शुरू करने का प्रयास, प्रक्रिया का दुरुपयोग है, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अस्वीकार करना चाहिए। उन्होंने तीनों यूरोपीय देशों की इस्राइली शासन और अमेरिका के हालिया अकारण और अवैध सैन्य आक्रमण को राजनीतिक और भौतिक समर्थन प्रदान करने के लिए भी आलोचना की। अराघची ने पत्र में इस बात पर जोर दिया कि उनका देश कूटनीतिक समाधान के लिए तैयार है।

रूस के मिग-21 से चीन ने कैसे बनाया था जे-7 फाइटर जेट? बांग्लादेश क्रैश के बाद चर्चा में आई कहानी

बीजिंग, एजेंसी।
चीन में बना एफ-7 लड़ाकू विमान बीते दिन ढाका के स्कूल से टकरा कर क्रैश हो गया। इस हादसे में 27 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। एफ-7 लड़ाकू विमान को ग्रैंडपा फाइटर जेट भी कहा जाता है। इसे चीन ने 1960 में रूस (तब सोवियत संघ) के साथ मिलकर बनाया था। वर्तमान में बांग्लादेश के अलावा पाकिस्तान, ईरान, म्यांमार, नामीबिया, नाइजीरिया, उत्तर कोरिया, श्रीलंका, सुडान, तंजानिया और जिम्बॉम्बे समेत कई देश एफ-7 विमानों का इस्तेमाल करते हैं। बांग्लादेश के पास कुल 36 एफ-7 फाइटर जेट हैं। वहीं, 120 एफ-7 के साथ पाकिस्तान के पास सबसे ज्यादा फाइटर जेट हैं। हालांकि, चीन ने ज्यादातर एअरक्राफ्ट या तो अमेरिका से कॉपी करके बनाए हैं या फिर रूस से। एफ-7 फाइटर जेट भी इस अपवाद से परे नहीं है। चीन का एफ-7 जेट काफी हद तक मिग-21 से मिलता-जुलता है। दरअसल चीन का एफ-7 फाइटर जेट जे-7 लड़ाकू विमान का एडवांस वर्जन है और जे-7 को चीन ने रूस के मिग-21 की तर्ज पर ही बनाया था, या यूं कहें कि धोखे से रूस से चुराया था। 1961 में चीन के माओ ने सोवियत के निकिता के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें मिग-21 को चीन में बनाने का प्रस्ताव शामिल था। इस समझौते के अंतर्गत मिग-21 फाइटर जेट को कुछ तकनीकी दस्तावेजों के साथ चीन भेज दिया गया। हालांकि बाद में कुछ कारणों से रूस ने यह करार तोड़ दिया। मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। रूसी मिग-21 और उसके सीक्रेट दस्तावेज चीन के हाथ लग चुके थे।

ट्रंप के खिलाफ अदालत पहुंची हावर्ड यूनिवर्सिटी, फंडिंग रोके जाने पर जताई आपत्ति

वाशिंगटन , एजेंसी।
हावर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत में दरवाजा खटखटाया है। दरअसल, मामला यूनिवर्सिटी के फंड कटौती का है। ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी को मिलने वाली फंड में 2.6 बिलियन डॉलर की कटौती का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से यूनिवर्सिटी नाराज है।

हार्वर्ड का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने अवैध रूप से राशि में कटौती की। अगर जज एलिसन बरोज विश्वविद्यालय के पक्ष में फैसला सुनाती हैं, तो ट्रंप प्रशासन के उन फैसलों को पलटा जा सकता है, जिनमें पहले फंडिंग को रोका गया और बाद में पूरी तरह से काट दिया गया। हार्वर्ड के पक्ष में फैसला आया तो यहां के वैज्ञानिक मेडिकल रिसर्च सहित उन सैकड़ों प्रोजेक्ट को फिर से शुरू कर सकते हैं, जिन्हें फिलहाल फेडरल फंड मिलना बंद हो गया है। हार्वर्ड का कहना है कि सरकार विश्वविद्यालय के शैक्षणिक फैसलों को नियंत्रित करने के लिए फंड रोक रही है। इसके जवाब में ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई बदले की भावना से नहीं की गई। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का कहना है कि सरकार

विश्वविद्यालयों को यह विकल्प दे रही है कि वे सरकार को अपने शैक्षणिक संस्थानों का प्रबंधन करने दें नहीं तो सरकार चिकित्सा, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में किए जाने वाले रिसर्च के लिए फंड नहीं देगी। हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि कोई भी सरकार ÷यह तय नहीं कर सकती कि विश्वविद्यालय क्या पढ़ा सकते हैं, किसे प्रवेश दे सकते हैं और किसे नियुक्त कर सकते हैं। रअसल, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ये यूनिवर्सिटी यहूदी विरोधी आंदोलन का केंद्र बन गए हैं और हमास को समर्थन दे रहे हैं।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर से जुड़े एफबीआई के रिकॉर्ड हुए सार्वजनिक, परिवार ने ट्रंप प्रशासन के फैसले पर क्या कहा?

ट्रंप प्रशासन ने मार्टिन लूथर किंग जूनियर से जुड़े एफबीआई के रिकॉर्ड सार्वजनिक कर दिए। हालांकि, उनके परिवार और कुछ नागरिक अधिकार संघटन नहीं चाहते थे कि यह रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए। यह लगभग 2,00,000 पन्नों का रिकॉर्ड है, जो साल 1977 से अदालत के आदेश पर गोपनीय रखे गए थे। एफबीआई ने ये रिकॉर्ड राष्ट्रीय अभिलेखागार विभाग को सौंप दिया था। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के परिवार ने क्या कहा? किंग के दोनों बच्चों मार्टिन लूथर किंग तृतीय और बर्निस किंग ने कहा कि उनके पिता से जुड़ी जानकारी लोगों की दिलचस्पी का विषय रही है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ये जानकारी बहुत निजी है और लोगों को इसे पूरे ऐतिहासिक संदर्भ में ही समझना चाहिए।

जॉन एफ. कैनेडी से जुड़े दस्तावेजों को भी किया जा चुका है जारी: बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव से पहले दावा किया था कि पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की 1963 से जुड़े दस्तावेजों को भी सार्वजनिक किया जाएगा। इस साल जनवरी में उन्होंने 1968 में रॉबर्ट एफ. कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग की हत्याओं से जुड़े दस्तावेजों को भी सार्वजनिक करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। मार्च में जॉन एफ. कैनेडी की 1963 में हुई हत्या से जुड़े सीक्रेट डॉक्यूमेंट जारी कर दिए गए थे। बता दें कि अमेरिका के 35वें अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी

खुली कार में बैठकर एक रैली में जा रहे थे। तभी एक इमारत की सबसे ऊपरी खिड़की से उन पर तीन गोलियां चलाई गईं। दो गोलियां उनके सिर में लगीं, एक गले को चीरते हुए निकल गई। कैनेडी की कार में ही मृत्यु हो गई।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया ऐस प्रो: भारत का सबसे किफायती 4-व्हील मिनी-ट्रक, कीमत रु. 3.99 लाख रुपये से शुरू

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स, भारत के सबसे बड़े कमर्शियल वाहन निर्माता, ने ऑल-न्यू टाटा ऐस प्रो लॉन्च करके छोटे कार्गो परिवहन में एक नये युग की शुरुआत की है। टाटा ऐस प्रो केवल रु. 3.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है और भारत का सबसे सस्ता फोर-व्हील मिनी ट्रक है। यह शानदार दक्षता, लचीलापन और बेहतरीन मूल्य देता है। नए उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया, टाटा ऐस प्रो पेट्रोल, बाय-फ्यूल (सीएनजी + पेट्रोल) और इलेक्ट्रिक वैरिएंट में उपलब्ध है। ग्राहक उनकी व्यावसायिक जरूरतों के मुताबिक अपनी पसंद का वैरिएंट चुन सकते हैं। ग्राहक टाटा मोटर्स के देशभर में फैले 1250 कॉमर्शियल व्हीकल्स सेल्स टचप्वाइंट्स या टाटा मोटर्स के ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म, फ्लीट वर्स, पर अपने पसंदीदा ऐस प्रो वैरिएंट को बुक कर सकते हैं। टाटा ऐस प्रो को खरीदना बेहद आसान है, कंपनी ने प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को लोन के लिए फौरन मंजूरी मिलेगी, उन्हें पास ईएमआई के लचीले विकल्प होंगे और उनकी जरूरतों के अनुसार फंडिंग सपोर्ट मिलेगा। ऐस प्रो को लॉन्च करते हुए, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री गिरीश वाघ ने कहा, टाटा ऐस ने भारत में कार्गो परिवहन को बदल दिया था। पिछले 20 सालों में, इसने 25 लाख से ज्यादा उद्यमियों को सशक्त किया है और यह प्रगति एवं संभावना का प्रतीक बन चुका है। नया टाटा ऐस प्रो इस विरासत को नई पीढ़ी के लिए और बेहतर बनाता है। यह स्थिरता, सुरक्षा और लाभ देने के लिए बनाया गया है, इससे महत्वाकांक्षी उद्यमियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ज्यादा कमाई की संभावनाएं बढ़ती हैं। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड (एससीवीपीयू), श्री पिनाकी हल्दर ने टाटा ऐस प्रो के बारे में कहा, टाटा ऐस प्रो को ग्राहकों की जरूरतों को समझकर बनाया गया है और इसे कई तरह के कामों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे लाखों किलोमीटर तक अलग-अलग इलाकों और मौसम में कठिन परीक्षणों में आजमाया गया है। यह पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक जैसे कई ईंधन विकल्पों, सस्ती कीमत और बेहतर ड्राइविंग अनुभव के साथ आता है, जो इसे हर तरह के काम के लिए मूल्यवान बनाता है। यह टाटा मोटर्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को भरोसेमंद और आधुनिक वाहन समाधान देने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

25 वर्षों की सफलता का जश्न, होंडामोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने पेश की नई शाइन 100डीएक्स और सीबी125 हॉर्नेट

नई दिल्ली: अपनी यात्रा का एक अहम पड़ाव पार करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज भारत में अपने 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस खास मौके पर कंपनी ने दो नई मोटरसाइकिलें पेश कीं — सीबी125 हॉर्नेट और शाइन 100 डीएक्स. ये भारतीय ग्राहकों के लिए आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत प्रोडक्ट्स देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। जनरेशन होंडा के इस नए युग में कदम रखते हुए, नई सीबी 125 हॉर्नेट और होंडा शाइन 100 डीएक्स की बुकिंग्स 1 अगस्त 2025 से शुरू होंगी।

महत्त्वपूर्ण अवसर पर बोलते हुए, श्री सुत्सुमु ओतानि, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया, ने कहा: आज एचएमएसआई की भारत में यात्रा का एक अहम अध्याय है। हम 25 शानदार वर्षों का जश्न मना रहे हैं और मुझे बहुत गर्व है कि हम एक नहीं, बल्कि दो नई मोटरसाइकिलें— सीबी 125 हॉर्नेटऔर शाइन 100 डीएक्स— पेश कर रहे हैं। ये दोनों प्रोडक्ट्स होंडा की इनोवेशन और ग्राहक-केंद्रित सोच को दर्शाते हैं। इनका लॉन्च भारतीय मार्केट के लिए एडवांस्ड और हाई-टेक मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने के हमारे वादे को मजबूत करता है। यह उत्सव होंडा की वर्ल्डवाइड 500 मिलियन प्रोडक्शन माइलस्टोन और एचएमएसआई की 70 मिलियन प्रोडक्शन उपलब्धि के साथ भी जुड़ा हुआ है। हम अपने कस्टमर्स, पार्टनर्स और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी वजह से यह सफर मुमकिन हुआ। आने वाले वर्षों में हम इसी तरह अपनी ग्रोथ को और तेज़ करने के लिए उत्साहित हैं।

फिज़िक्सवाला ने किया PWNSAT 2025 की घोषणा - भिलाई में NEET और JEE अभ्यर्थियों के लिए स्कॉलरशिप का अवसर

भिलाई। एजुकेशन कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने PWNSAT (फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप टेस्ट NEET-UG और IIT-JEE के अभ्यर्थियों के लिए एक प्रयास है ताकि शिक्षा और मार्गदर्शन को सभी छात्रों तक पहुँचाया जा सके, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। यह पहल भिलाई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान घोषित की गई, जहाँ छत्तीसगढ़ के पीडब्ल्यू रीजनल हेड, पीडब्ल्यू विद्यापीठ भिलाई के सेंटर हेड और बिज़नेस हेड एक साथ उपस्थित हुए और उन्होंने PWNSAT 2025 के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, शहर के कई स्कूलों के प्राचार्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। PWNSAT 2025 एग्ज़ाम ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र इसे आसानी से दे सकें। ऑनलाइन मोड के लिए छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफ्लाइन मोड में परीक्षा 5 अक्टूबर और 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी, जो पीडब्ल्यू के सभी विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स पर होगी। यह रजिस्ट्रेशन मुफ्त है और कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही 12वीं पास कर चुके छात्र, चाहे वे पीसीएम स्ट्रीम के हों या पीसीबी के, सभी के लिए खुला है। परीक्षा का परिणाम 25 अक्टूबर 2025 को घोषित किया जाएगा। अलख पांडे, फिज़िक्सवाला के फाउंडर, सीईओ और एजुकेटर ने कहा, कई छात्र अपनी क्षमता के बावजूद सिर्फआर्थिक कारणों से अपने सपनों को छोड़ देते हैं। PWNSAT 2025 के ज़रिए हम इसे बदलना चाहते हैं। हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए। इस इनिशिएटिव के माध्यम से हम हर छात्र तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें यह बताने कि उनके सपनों की अहमियत है और हम उनके साथ हैं।

जनदर्शन में सुनी गई आम लोगों की समस्याएं

गरीब दिव्यांग दंपति को नहीं मिला प्रधानमंत्री आवास,जिला पंचायत सीईओ को जांच के निर्देश दिए कलेक्टर संजय ने...

बिलासपुर/ संवाददाता

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर आज साप्ताहिक जनदर्शन में नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी अपर कलेक्टर श्री एसएस दुबे, ने दूर-दराज से आये लोगों की समस्याएं सुनी। निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही संबंधित अधिकारियों द्वारा निराकरण किया गया। लोगों ने साप्ताहिक जनदर्शन में अपनी व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं से जुड़े आवेदन देकर निराकरण की मांग की। अधिकारियों ने आवेदनों पर त्वरित निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। साप्ताहिक जनदर्शन में आज तखतपुर ब्लॉक के ग्राम हरदी निवासी दिव्यांग जागेश्वर प्रसाद यादव और उनकी पत्नी श्रीमती संगीता यादव ने पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना में कई वर्षों से नाम नहीं आने पर आवेदन देकर आवास दिलाने की मांग की। जागेश्वर ने अपने आवेदन में बताया है कि वह नेत्र से दिव्यांग है और उनकी पत्नी पैरों से। कई बार आवेदन के बाद भी सूची में उनका नाम नहीं आया। जबकि गांव में कई लोगों को आवास स्वीकृत हो चुके है। जरूरतमंद होने के बावजूद उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने रोजगार सहायक द्वारा पैसों के मांग की भी शिकायत की। इस आवेदन पर त्वरित रूप से संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत सीईओ को प्रकरण के जांच के निर्देश दिये गए। जनपद पंचायत कोटा के ग्राम पंचायत रतखंडी के आश्रित गांव बड़े बरर के आंगनबाड़ी केंद्र के जर्जर होने पर सरपंच द्वारा नये भवन स्वीकृति

की मांग रखी गई है ताकि छोटे बच्चे सुरक्षित रूप से आंगनबाड़ी आए। आवेदन को सीईओ जिला पंचायत देखेंगे। कोटा के ग्राम ईमलीपारा की रहने वाली श्रीमती करीना खाण्डे ने महतारी वंदन योजना में नाम जुड़वाने और आजीविका गतिविधि के लिए सिलाई मशीन की मांग की है। आवेदन पर त्वरित रूप से कार्यवाही के लिए महिला बाल विकास विभाग अधिकारी को प्रेषित किया गया है। मस्तूरी विकासखण्ड के ग्राम रलिया निवासी रमेश कुमार ने आवेदन दिया है कि पिता के निधन के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत शेष राशि उन्हें नहीं मिली है, जिससे मकान निर्माण अधूरा रह गया है। इस आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा कार्यवाही की जाएगी। कोटा के ग्राम भैंसाझार निवासी ब्रम्हानंद ध्रुवे ने जनदर्शन में पहुंचकर पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत स्वीकृत लोन की राशि दिलाने की मांग की है। इस मामले को लीड बैंक मैनेजर को हस्तांतरित किया गया है। ग्राम पंचायत मदनपुर के निवासियों ने आवेदन देकर आवारा पशुओं के प्रबंधन और बिजली खंभा लगवाने की मांग की है। आवेदन को संबंधित अधिकारियों को सौपते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने स्वच्छता पेट्रोलिंग वाहन को दिखाई हरी झण्डी...

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं निगग आयुक्त अमित कुमार ने आज यहां जिला कार्यालय परिसर से स्वच्छता पेट्रोल वाहन को हरी झण्डी दिखाई। उन्होंने कहा कि नगर निगम को स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद स्वच्छता की निरंतरता बनाये रखने की चुनौती रहेगी। इस चुनौती को पूर्ण करने में यह विशेष टीम काफी मददगार साबित होगी।नगर निगम क्षेत्र में यह पेट्रोलिंग वाहन शहर में घुम घुमकर सार्वजनिक स्थान एवं सड़कों पर कचरा फेंकने, गंदगी करने वालों को रोकने और जुर्माना लगाने का काम करेगी। इसके अलावा सड़कों पर ठेले, गुमटी अथवा अन्य तरीके से अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी। अस्वच्छता और सड़क अतिक्रमण के खिलाफ जारी जंग में इस नयी पहल से तेजी आने की संभावना है। लगभग 30 कर्मचारी इस बस में सवार होकर शहर के विभिन्न वार्डों का सतत् दौरा करेगें। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेगी और कचरा नहीं फैलाने की समझाइश भी देगी। इस अवसर पर नगर निगम के स्वच्छता कर्मी एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बारिश से रजगामार रोड बनी समस्या मूलक,जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं....

कोरबा। कोरबा से रजगामार की ओर जाने वाला मार्ग अब सडक कम और गड्ढों का संग्रहालय ज्यादा लगता है। यहां से गुजरना आम लोगों के लिए किसी बाधा दौड़ से कम नहीं रह गया है। वर्षों से इस सडक की हालत खराब है, लेकिन बारिश ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि अब सडक खोजने के लिए भी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम बेकार है। गड्ढे इतने गहरे हैं कि लोग अब उन्हें नाम तक देने लगे हैं 'छोटा गड्ढा', 'बड़ा गड्ढा। दोपहिया वाहन चालक खुद को किसी स्टंट शो में महसूस करते हैं, जबकि चारपहिया वाहन मालिक अब तक सस्पेंशन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर चुके हैं। इस मार्ग की देखरेख की जिम्मेदारी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा एरिया एवं रजगामार उपक्षेत्र की है। लेकिन अधिकारी या तो आंखें मूंद चुके हैं या शायद वे हेलिकॉप्टर से सफर करते हैं। स्थानीय लोग कहते हैं -रास्ता चाहे जैसा हो, अफसरों की चुप्पी हमेशा एक जैसी होती है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जनता की समस्याओं पर कोई जनप्रतिनिधि आवाज नहीं उठा रहा। क्या हमने उन्हें सिर्फ पोस्टर में मुस्कुराने और उद्घाटन की रिबन काटने के लिए चुना था। जनता अब सवाल पूछ रही है - क्या वोट देने की सजा हम गड्ढों में गिर-गिर कर भुगतें। सरकारी वादों में 'गड्ढा मुक्त सडकें' हर साल का सपना बन कर रह गया है। लेकिन कोरबा-रजगामार रोड को देखकर लगता है कि सपना उल्टा हो गया है, यहाँ सडक कम ही इसे जलभराव पर्यटन स्थल घोषित कर दिया जाएगा। इस रास्ते की बदहाली के कारण कई प्रकार की चुनौतियां वाहन मालिकों के सामने बनी हुई है। रास्ते पर बड़े-बड़े गड्ढों से गाडियों के पार होने के कारण उनके स्पेयर पार्ट्स में शिकायत आती है। कमानी पट्टा, शॉकप के साथ-साथ दूसरे महंगे पार्ट्स क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। दूसरी और गाडियों के पहिए पर भी गंभीर दुष्परिणाम हो रहा है। सबसे अधिक समस्या छोटी गाडियों के मामले में है। बताया गया कि रास्ते की दुर्दशा के कारण लगातार इस प्रकार के मामले आसपास की दुकानों में पहुंच रहे हैं जिनमें लोगों की शिकायत आती है कि उसे समय पहले ही सुधार कराया गया और एक बार फिर गाडियों को यहां पर और गड्ढे ज्यादा हैं। लगता है जल्द लाना पड़ा है।

डिजेंट हाउसिंग की खुली पोल, गेवरा कालोनी में मकान का गिरा छज्जा

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के गेवरा क्षेत्र के बी1/74 ऊर्जा नगर निवासी श्रमिक अनूप दुबे के परिवार के साथ बीती रात एक बड़ी दुर्घटना में बाल बाल बच गया। देर रात मकान के कमरे की छत का प्लास्टर अचानक भरभरा कर नीचे गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय अनूप दुबे का परिवार दूसरे कमरे में था, जिससे सभी सदस्य सुरक्षित बच गए। माना जा रहा है कि यदि परिवार के सदस्य उसी कमरे में उपस्थित होते, तो गंभीर चोट लगने की पूरी आशंका थी। इस घटना ने गेवरा क्षेत्र के नगर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। लंबे समय से जर्जर मकानों की मरम्मत की अनदेखी की जा रही है, और अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। यहां के कर्मचारियों का कहना है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, मगर प्रशासन की तरफ से केवल औपचारिक कार्रवाई कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। गेवरा क्षेत्र सिविल विभाग से कहा गया है कि तत्काल संज्ञान ले और जर्जर भवनों की मरम्मत के लिए ठोस और समयबद्ध कदम उठाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना को टाला जा सके।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अंतर्गत मंत्री श्रीमती राजवाडे ने किया आम के पौधे का रोपण.....

■ गायत्री रोपणी नमदगिरी के समीप किया गया जिला स्तरीय वन महोत्सव एवं एक पेंड़ माँ के नाम 2.0 कार्यक्रम का आयोजन

सूरजपुर। वनमण्डल सूरजपुर अंतर्गत श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े महिला एवं बाल विकास मंत्री के मुख्य आतिथ्य में वनपरिक्षेत्र सूरजपुर अंतर्गत गायत्री रोपणी नमदगिरी के समीप जिला स्तरीय वन महोत्सव एवं ''एक पेंड़ माँ के नाम 2.0'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर पंकज कमल द्वारा स्वागत उद्बोधन में यह जानकारी दी गई कि सूरजपुर वनमण्डल अंतर्गत वर्षा ऋतु 2025 में सूरजपुर वनमण्डल अंतर्गत विभागीय, कैम्पा, ग्रीन इंडिया मिशन, ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत 7.00 लाख पौधों का रोपण किया जा रहा है। ''किसान वृक्ष मित्र योजना'' के तहत् हितग्राहियों के नीजी भूमि पर 2.50 लाख क्लोनल नीलगिरी पौधों का रोपण किया जायेगा, साथ ही मनरेगा योजना के तहत् तैयार किये गये पौधों का नि:शुल्क वितरण ग्रामीणों को किया जा रहा है। इसके साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि जिला यूनियन सूरजपुर अंतर्गत वर्ष 2024-25 तेंदूपत्ता सीजन के दौरान कुल 30 समितियों के 61413 महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को छ.ग. शासन के योजना अनुसार चरण पादुका का वितरण किया जा रहा है। मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह द्वारा तेन्दूपत्ता संग्राहक महिलाओं के परेशानियों को ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरूआत की गई थी, ताकि उन्हे तेन्दूपत्ता संग्रहण के दौरान कंकड़, पत्थर, कांटे उनके पैरों में न चुभें और वे सरलता व सहजता से अधिक से अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण कर सकें। विगत पाँच वर्षों से तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों को चरण पादूका वितरण का कार्य बंद था, जिसकी शुरूआत वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पुन: किया गया है। उनके द्वारा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक पेंड़ लगाने की अपील की गई, ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जा सकें। पौधे लगाने के साथ साथ उसके देखरेख पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही गई। इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अंतर्गत उन्होंने आम के पौधे का रोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम चल रहा है प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ पौधे अवश्य लगाने चाहिए साथ ही यह संकल्प लेना चाहिए कि जब तक यह पेड़ पौधे बड़े नहीं होते, हम उनकी देखभाल भी करें। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी द्वारा उनके उद्बोधन में कहा गया किया कि बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए पेड़ पौधे लगाने बहुत जरूरी है।

XAT 2026 के लिए ऐप्लीकेशन विंडो खुली, छात्रों के लिए 250 से अधिक बी-स्कूलों में एमबीए/पीजीडीएम में एडमिशन पाने का मौका

जमशेदपुर: 75 वर्षों की धरोहर के साथ ज़ेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट (XAT) भारत में एमबीए/ पीजीडीएम में प्रवेश के लिए सबसे प्रतिष्ठित एवं भरोसेमंद प्रवेश परीक्षा है। ज़ेवियर एसोसिएशन ऑफ मैनेजमेन्ट इंस्टीट्यूट (XAMI) की ओर से XLRI- ज़ेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट द्वारा संचालित इक्ज़ 2026 का आयोजन रविवार 4 जनवरी 2026 को होगा और वर्तमान में इसके लिए रजिस्ट्रेशन xaton-line.in पर जारी हैं।

XAT को देश भर के 250 से अधिक टॉप बी-स्कूलों में स्वीकार किया जाता है। इसके अलावा परीक्षा की एक और खासियत है, जो इसे सबसे अलग बनाती है- समग्र एवं एप्टीट्यूड आधारित मूल्यांकन मॉडल के माध्यम से मैनेजमेन्ट प्रतिभा को बढ़ावा देना।

75 सालों से मजबूत, लीडरशिप की विरासत- 75 सालों की धरोहर के साथ XAT देश की एकमात्र एमबीए/ पीजीडीएम एंट्रेन्स परीक्षा है, जिसने एमबीए/ पीजीडीएम के महत्वाकांक्षी उम्मीदवारों के लिए गोल्ड स्टैण्डर्ड स्थापित किए हैं। XLRI शुरूआत से ही इस परीक्षा का संचालन करता रहा है, तथा छात्र-उन्मुख अखंडता के कोर मूल्यों को बनाए रखते हुए शिक्षा एवं उद्योग जगत की बदलती ज़रूरतों के अनुसार परीक्षा में बदलाव लाता रहा है।

गैलेक्सी Z फोल्ड7, गैलेक्सी Z फ्लिप7 को S25 सीरीज़ के बराबर प्री-ऑर्डर्स मिले, भारत में स्मार्टफोन्स के लिए नया बेंचमार्क स्थापित किया

गुरुग्राम - भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज घोषणा है कि इसके हाल में लॉन्च किए गए नए स्मार्टफोन्स - गैलेक्सी फोल्ड7, गैलेक्सी Zफ्लिप7 और गैलेक्सी Z फ्लिप7 FE - को पहले 48 घंटों में रिकॉर्ड 210,000 प्री-ऑर्डर्स मिले हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है और इस साल की शुरुआत में गैलेक्सी S25 सीरीज के लिए प्राप्त प्री-ऑर्डर्स के लगभग बराबर है। यह दिखाता है कि लोगों में ब्रांड के फोल्डेबल स्मार्टफोन की सातवीं पीढ़ी के लिए जबर्दसत मांग और उत्साह है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, हमारे 'मेड इन इंडिया' फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को मिले रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर दिखाते हैं कि भारत के युवा नई तकनीक को अपनाने में काफी तेज हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड7 अब तक का सबसे उन्नत स्मार्टफोन है, जो ताकत, खूबसूरती, स्मार्टनेस और आसान पोर्टेबिलिटी देता है। गैलेक्सी Z फ्लिप7 यूजर्स की जरूरतों को समझता है, उन्हें आसान बनाता है और दुनिया से जोड़ने का स्मार्ट तरीका देता है। नए वन I 8 और एंड्रॉयड 16 के साथ, ये फोन शानदार एआई अनुभव देते हैं। इन फोन्स की सफलता भारत में फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। गैलेक्सी Z फोल्ड7 सटीक इंजीनियरिंग और शक्तिशाली बुद्धिमत्ता को सहजता से जोड़ता है, जो अब तक का सबसे पतला और हल्का डिज़ाइन है। केवल 215 ग्राम वजन के साथ, यह गैलेक्सी स्25 अल्ट्रा से भी हल्का है। यह फोल्ड होने पर 8.9 मिमी और अनफोल्ड होने पर 4.2 मिमी मोटा है। यह अल्ट्रा स्मार्टफोन का प्रीमियम प्रदर्शन और अनुभव प्रदान करता है, साथ ही अनफोल्ड होने पर बड़े, शानदार डिस्प्ले के साथ दक्षता और उत्पादकता के नए स्तर खोलता है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम, आईडीबीआई बैंक ने YoY बेसिस पर PAT में 17% की वृद्धि दर्ज की

आज आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के लिए अपने नतीजों की घोषणा कर दी। बैंक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 17 प्रतिशत की मजबूत YoY वृद्धि के साथ 2,007 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। परिचालन लाभ 2,354 करोड़ रहा। NIM 3.68 प्रतिशत तथा ब्याज से होने वाली शुद्ध आय 3,166 करोड़ रही। 2026 की पहली तिमाही के लिए जमा लागत 4.84 प्रतिशत थी, जो 2025 की पहली तिमाही के लिए 4.58 प्रतिशत थी। CRAR 297 bps की YoY वृद्धि के साथ 25.39 प्रतिशत रहा। 2026 की पहली तिमाही के लिए रिटर्न ऑन एसेट्स (ROA) 18bps की वृद्धि के साथ 2.01 प्रतिशत पर पहुँच गया, जबकि 2025 की पहली तिमाही के लिए यह 1.83 प्रतिशत था। रिटर्न ऑन ईक्विटी (ROE) 17.91 प्रतिशत रहा। शुद्ध एनपीए, जो 30 जून 2024 को 0.23 प्रतिशत था, वह घटकर 0.21 प्रतिशत रह गया।

इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से जीती वनडे सीरीज, भारत की बेटियों ने बना दिया अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतते हुए इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेले गए तीसरे वनडे मैच को 13 रन से अपने नाम किया। ऐसा पहली बार है, जब भारत की महिला टीम ने इंग्लैंड के एक ही दौरे पर सीमित ओवरों की दोनों सीरीज जीतीं। वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की थी। इंग्लैंड के अलावा भारतीय महिला टीम विदेशी सरजमीं पर तीन देशों के खिलाफ यह कारनामा कर चुकी है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 3-1 से अपने नाम की। उसी साल टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 4-0 से जीती। साल 2019 में भारत की महिला टीम ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 जीती। वहीं, टी20 सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में उसी की सरजमीं पर वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की मदद से पांच विकेट खोकर 318 रन बना दिए। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 64 रन की साझेदारी हुई। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद कप्तान ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन जुटाए। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए।

हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन जोड़ते हुए भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। जेमिमा ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कौर ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवरों में 305 रन पर सिमट गई। टीम आठ के स्कोर तक सलामी दोनों बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से एम्मा लैंब ने कप्तान नतालिया-साइवर-ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन जोड़ते हुए टीम की उम्मीदों को जगाया। लैंब ने 81 गेंदों में 68 रन बनाए, जबकि ब्रंट ने 105 गेंदों में 11 चौकों के साथ 98 रन की पारी खेली।

टेनिस में एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस, बस नवरातिलोवा से रह गईं पीछे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी।

वीनस विलियम्स पेशेवर टेनिस में टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया और डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी। वीनस ने मैच के बाद कहा, जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है। वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

वीनस की दिली इच्छा है कि उनकी छोटी बहन सेरेना विलियम्स भी वापसी करें। वीनस से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम से कहती रहती हूं कि अगर वह यहां होती तो बहुत अच्छा होता। हमने शुरू से काफी कुछ साथ में किया है और इसलिए मुझे निश्चित तौर पर उसकी कमी खलती है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, लेकिन अगर वह वापसी करती है तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह इस बारे में आप सबको अवगत कर देगी।

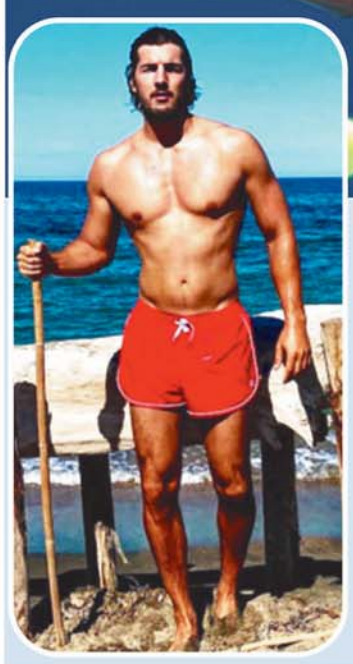

45 की उम्र में विराट कोहली के अंदाज में शादी करेगी ये महिला खिलाड़ी, कभी कहती थी सिंगल ही खुश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। सेरेना विलियम्स की बड़ी बहन और दुनिया की पूर्व नंबर वन महिला टेनिस स्टार वीनस विलियम्स को नया प्यार मिल गया है। वह इटली के एक्टर से शादी करने जा रही हैं। उनका होने वाला दूल्हा उनसे 8 साल बड़ा है। 45 की उम्र में विराट कोहली के अंदाज में शादी करेगी ये महिला खिलाड़ी, कभी कहती थी सिंगल ही खुश हूं. कौन कहता है कि प्यार करने की उम्र होती है और जिंदगी में एक ही बार प्यार होता है? एक वक्त टेनिस की दुनिया की सबसे बड़ी महिला खिलाड़ी रहीं वीनस विलियम्स को ही ले लीजिए। उनसे छोटी सेरेना विलियम्स ने के को-फाउंडर के साथ 16 नवंबर 2017 को शादी की तो वीनस ने उस समय कहा था कि वह अकेले ही खुश हैं। इसका कारण कई बार उनका दिल टूटना था, लेकिन अब समय बदल चुका है। उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल गया जी हां, कभी सिंगल ही खुश हूं कहने वाली वीनस विलियम्स अब मिंगल होने को तैयार हैं।

रादुकानू ने डीसी ओपन में मार्टा कोस्त्युक को हराया

एम्मा रादुकानू ने सातवीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक को 7-6 (4), 6-4 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। कोस्त्युक को इस तरह से लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार का सिलसिला दो महीने से भी अधिक समय से चल रहा है। यह लगातार पांचवा टूर्नामेंट है जिसमें वह पहले दौर में बाहर हो गईं। उन्होंने 11 मई के बाद से कोई मैच नहीं जीता है। अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन और वर्तमान में विश्व में 46वीं रैंकिंग की खिलाड़ी रादुकानू का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा। ओसाका ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट में पुरुषों के मुक़ाबले में कैम नॉरी ने दूसरी वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी को 3-6, 6-2, 6-3 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त होल्गर रूण पीठ दर्द के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

सेरेना का हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह रैकेट घुमाती दिख रही हैं। सेरेना 43 वर्ष की हैं और उन्होंने 2022 में अमेरिकी ओपन के बाद कोई मैच नहीं खेला। इसके बाद उन्होंने उस खेल से दूर जाने की घोषणा की थी। टेनिस में उन्होंने लंबे समय तक दबदबा बनाए रखा था। इस दौरान उन्होंने 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब और वीनस के साथ 14 युगल खिताब जीते थे।

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने घोषणा की कि वे पहले राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक का अध्ययन करेंगे, जो बुधवार को संसद में पेश किया जाना है, और उसके बाद ही वे इस पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार ने खुलासा किया कि बीसीसीआई प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 के दायरे में आएगी जिसे संसद के मानसून सत्र में पेश किए जाने की उम्मीद है। हालांकि बीसीसीआई सरकारी धन पर निर्भर नहीं है, फिर भी विधेयक में इसके शामिल होने की व्यापक रूप से उम्मीद थी, खासकर 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय क्रिकेट टीम की प्रस्तावित भागीदारी को देखते हुए। शुक्ला ने विधेयक पेश होने से पहले इस पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा, हमें विधेयक पेश होने के बाद इसका अध्ययन करना होगा। उसके बाद ही मैं इस पर अपने विचार व्यक्त कर सकता हूं। बीसीसीआई तमिलनाडु सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के तहत पंजीकृत है। बीसीसीआई भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के सभी पहलुओं की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। फिलहाल बीसीसीआई 45 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों के अंतर्गत नहीं आता है। अगर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस विधेयक के दायरे में आता है, तो वह सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अधीन भी आ सकता है। अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, राष्ट्रीय खेल महासंघों (हस्त्र) के चुनावों और खिलाड़ियों के चयन को लेकर बार-बार होने वाले मुकदमेबाजी, एक समर्पित विवाद समाधान मंच का अभाव, महासंघों में खिलाड़ियों का कमजोर या नाममात्र का प्रतिनिधित्व, खेल नेतृत्व में लैंगिक असंतुलन और सभी महासंघों में मानक चुनावी प्रक्रिया का अभाव जैसी समस्याओं का समाधान करेगा।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में मचा बवाल!

रिटायरमेंट से पहले जॉन सीना को मिली धमकी

डब्ल्यूडब्ल्यूई के आइकॉनिक सुपरस्टार जॉन सीना इस वक्त अपने करियर के अंतिम सफर पर हैं, लेकिन उनके रिटायरमेंट से पहले माहौल पूरी तरह से गरमा गया है. समरस्लेम 2025 में सीना जहां कोडी रोड्स के खिलाफ अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप डिफेंड करने जा रहे हैं, वहीं स्कॉटिश रेसलर ड्रू मैकइंटायर ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है.

मैकइंटायर ने जॉन सीना को ना सिर्फ सीधे चेतावनी दी है, बल्कि उन्हें 'जेली रोल' तक कह डाला है और डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल के लिए अपनी दावेदारी भी पेश की है. लोगान पॉल के पॉडकास्ट में ड्रू ने खुलकर अपनी भड़ास निकाली और कहा, मैं पांच हफ्तों से बाहर था. अब मैं नए माइंडसेट और नए ड्रू के साथ लौटा हूं. अब मैं उन बेकार के पर्सनल झगड़ों में नहीं पड़ने वाला जिनमें मैं पिछले दो साल से फंसा था. सीएम पंक और डेमियन प्रीस्ट जैसे लोग मेरा वक्त बर्बाद कर रहे थे. अब मेरा फोकस सिर्फ एक चीज पर है और वो है डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल. उन्होंने आगे कहा, रैंडी ऑर्टन पर मेरी हालिया जीत ने मुझे ट्रैक पर वापस ला दिया है, लेकिन जॉन सीना वह अब एक बी- है. उसने सब गड़बड़ कर दी. अब वो 'जेली रोल' बन गया है. वह अपने बेवकूफ चेहरे पर लात खाने का हकदार है.

विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में वैष्णवी ने मचाया धमाल, टेनिस में पदक पक्का किया

बर्लिन, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी ने मेजबान देश की सिना हरमेन को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामन स्लोवाकिया की एस्ट्जर मेरी से होगा। वह नंदन बल के बाद इन खेलों में पदक हासिल करने वाली दूसरी भारतीय बनेंगी। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में टेनिस में भारत का पदक तय हो गया है। बीस साल की वैष्णवी अडकर ने जर्मनी में चल रहे खेलों की महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय खिलाड़ी ने मेजबान देश की सिना हरमेन को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामन स्लोवाकिया की एस्ट्जर मेरी से होगा। वह नंदन बल के बाद इन खेलों में पदक हासिल करने वाली दूसरी भारतीय बनेंगी। नंदन ने 1979 में मेक्सिको सिटी में रजत पदक हासिल किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराया, अपना आखिरी मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने बनाए 36 रन

किंगस्टन, एजेंसी। एडम जम्पा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जॉश इंग्लिश नाबाद (78) और कैमरन ग्रीन (56) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 28 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मात्र 13 रन के स्कोर पर ग्लेन मैक्सवेल (12) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया था। टीम को दूसरा झटका 42 रन के स्कोर पर कप्तान मिशेल मार्श (21) के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद जॉश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 131 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

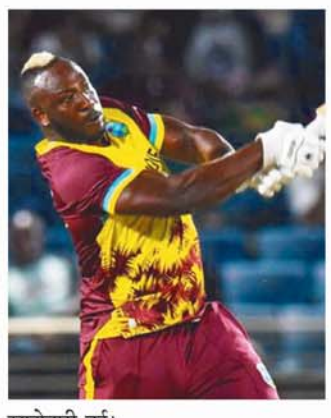

ऑस्ट्रेलिया ने 15.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जॉश इंग्लिश ने 33 गेंद में पांच छक्के और सात चौकों की मदद से नाबाद 78 रनों की पारी खेली। वही कैमरन ग्रीन 32 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाते हुए नाबाद 56 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जेसेन होल्डर और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। ब्रैंडन किंग 36 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से (51) रनों की पारी खेली। कप्तान होप 13 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सके और एक के बाद एक विकेट गवांते चले गए। इस दौरान वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने भी आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 14 रन, रोस्टन चेज 16 गेंद में 16 रन, रोवमन पॉवेल 14 गेंद में 12 रन और शेरफेन रदरफोर्ड (शून्य) पर पवेलियन लौट गए।

सिंधू ने मियाजाकी को हराया, सात्विक-चिराग की जोड़ी भी अगले दौर में पहुंची

चांग्झू, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी वी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। पिछले साल स्विस ओपन में वह जापानी खिलाड़ी से हार गई थीं। इस बीच, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की।

दूसरों से मांग- मांग कर खाती थी खाना, शुभमन गिल से मिलने के बाद बदली किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की टीम इंडिया टेस्ट सीरीज में भले ही 1-2 से पिछड़ी हो. मगर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वहां अपने दबदबे की कहानी पूरी तरह से लिखी है. उसने टी-20 के बाद अब वनडे सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है. भारतीय महिलाओं ने 3 वनडे की सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया. भारत की इस सीरीज जीत में उसके तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ की भूमिका सबसे बढ़कर रही. अपने नाम की ही तरह उन्होंने इंग्लैंड में काम से भी क्रांति ला दी. 21 साल की भारतीय गेंदबाज ने इंग्लैंड के 9 बल्लेबाजों को अपना निशाना बनाया. इस कामयाबी के बाद वो वनडे सीरीज की सबसे सफल गेंदबाज बन गई.

हालांकि, इंग्लैंड में गेंद से क्रांति ला देने वाली भारतीय गेंदबाज का टीम इंडिया तक का सफर आसान नहीं रहा. टीम इंडिया की जर्सी पहनकर भारत का नाम रोशन करने से पहले उन्हें अपनी जिंदगी में हर कदम पर एक जंग लड़नी पड़ी. क्रांति गौड़ और उनके परिवार

को पेट पालने के लिए भी जूझना पड़ा.

क्रांति गौड़ का एक इंटरव्यू जारी किया है, जिसमें वो अपने जीवन के संघर्षों के बारे में खुलकर बात कर रही हैं. उसी में उन्होंने बताया कि बुरे वक्त में खाने के लिए उन्हें दूसरों से मांगना भी पड़ा है. क्रांति गौड़ आगे कहती हैं कि पिता की नौकरी चली गई थी. उनके भाई का काम भी अच्छा नहीं चल रहा था. उन बुरे हालातों में मां के गहने बेचकर किसी तरह से घर चला. सामने आए इंटरव्यू में उन्होंने अपने क्रिकेटर बनने की जर्नी के बारे में भी बताया.

क्रांति गौड़ ने इसी साल मई में इंटरनेशनल डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ किया था. कोलंबो में खेले उस वनडे मुकाबले में क्रांति को विकेट नहीं मिला. इसके बाद जुलाई 2025 में उन्होंने टी-20 डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में किया मगर उसमें भी विकेट नहीं मिला. बैक टू बैक दो डेब्यू पर नाकामी के बाद क्रांति गौड़ की मुलाकात इंग्लैंड में ही किंग से मिलने-जुलने के दौरान शुभमन गिल से हुई. क्रांति गौड़ ने शुभमन गिल से मुलाकात की अपनी तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है.15 जुलाई को क्रांति गौड़ की शुभमन गिल से ये मुलाकात हुई और 16 जुलाई से उनकी किस्मत बदलनी शुरू हो गई. असर ये हुआ कि अपने इंटरनेशनल करियर के पहले दो मैचों में विकेट लेने में नाकाम रहने वाली क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के 3 मैचों में 15.11 की औसत से 9 विकेट चटका दिए .

न.प. दाढ़ी में मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं के स्वागत की जोरदार तैयारियाँ

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल बोले -मुख्यमंत्री का स्वागत होगा भव्य और ऐतिहासिक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं के प्रस्तावित बेमेतरा जिले के नगर पंचायत दाढ़ी प्रवास को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और तैयारियों का माहौल चरम पर है। इसी सिलसिले में बीते गुरुवार को नवागढ़ के सतनाम भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने की। बैठक में नवागढ़ विकासखंड की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचगण, जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, एसडीएम नवागढ़ श्रीमती दिव्या पोटाई, जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य 28 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं के नवागढ़ आगमन को ऐतिहासिक, सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाना था। इस अवसर पर मंत्री

बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का आगमन जिलेवासियों के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की बेहतर सफाई व्यवस्था, ट्रैफिक एवं सुरक्षा प्रबंधन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री बघेल ने जनप्रतिनिधियों और आमजन से अपील की कि इस कार्यक्रम को जन-जन से जोड़ते हुए इसे जनउत्सव के रूप में मनाएं। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में प्रचार-प्रसार कर ग्रामीणों को कार्यक्रम से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि मुख्यमंत्री से प्रत्यक्ष संवाद का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सके। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी आयोजन को लेकर अपने सुझाव रखे और आश्वस्त किया कि ग्राम स्तर तक पूरी तैयारी की जाएगी। सभी ने एकमत से कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं का स्वागत ऐतिहासिक ढंग से किया जाएगा।बैठक के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे समन्वय और सहभागिता से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाएंगे।

छात्रावास में लापरवाही की हद पार, अधीक्षक गायब, छात्र बेहाल

बकावंड /मूक पत्रिका

बकावंड (संभागीय ब्यूरो पवन कुमार नाग) - बकावंड पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में एक साल से चल रही भारी अव्यवस्था को लेकर छात्रों में आक्रोश चरम पर है।

अधीक्षक की गैरहाजिरी, खराब भोजन, गंदे शौचालय और पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में छात्र नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। छात्रों का आरोप है कि छात्रावास अधीक्षक रतन भारती केवल दिन में एक बार सब्जी छोड़ने आते हैं और पूरा दिन व रात अपने घर में ही बिताते हैं। अधीक्षक की गैरहाजिरी का फायदा उठाकर व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

खराब भोजन और शौचालय बने नर्क का द्वार -छात्रों ने बताया कि जो भोजन परोसा जा रहा है, वह खाने लायक तक नहीं है। उसमें गुणवत्ता नाम मात्र की भी नहीं है। साथ ही, शौचालयों की हालत इतनी खराब है कि एक साल से न तो सफाई हुई है और न ही पानी की व्यवस्था की गई है। स्नान और पीने के लिए भी छात्र बाहर से पानी लाने को मजबूर हैं।

विरोध करने पर निष्कासन- छात्रावास में जब कोई छात्र इन गड़बड़ियों का विरोध करता है, तो अधीक्षक उन्हें छात्रावास से निकाल देते हैं। पिछले एक साल में तीन छात्रों को इस तरह बाहर कर दिया गया है। यह छात्रों की आवाज को दबाने का सीधा प्रयास है।

स्टडी टेबल, बेडशीट और लाइट-पंखे भी गायब -छात्रों को न तो स्टडी टेबल की सुविधा मिल रही है और न ही बिस्तरों पर बेडशीट उपलब्ध करवाई गई है। छात्रावास के कई पंखे और लाइटें महीनों से खराब पड़े हैं, लेकिन मरम्मत की कोई पहल नहीं हुई।

मनमानी फीस वसूली और सीट संख्या बढ़ाने की मांग-छात्रों ने आरोप लगाया कि अधीक्षक द्वारा तीन-तीन सौ रुपये प्रतिमाह ÷मैस फीस÷ के नाम पर वसूली की जा रही है और हाल ही में तीन महीने की फीस एक साथ मांग ली गई है। साथ ही, छात्रों ने सीट संख्या 50 से अधिक करने की भी मांग की है ताकि और छात्र लाभ ले सकें।

एबीवीपी ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी -इन सभी समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री गजेंद्र बिसाई ने अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बकावंड को ज्ञापन सौंपते हुए चेताया है कि यदि दो दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो ABVP उग्र आंदोलन करेगी। अब देखना यह है कि प्रशासन छात्रों की इस पीड़ा पर कब तक चुप रहता है या कोई कड़ा कदम उठाता है।

डायरिया रोकथाम हेतु चेरपल्ली में जागरूकता अभियान

ग्रामीणों को दी गई शुद्ध पेयजल व स्वच्छता की जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर ग्राम पंचायत चेरपल्ली (विकासखंड भोपालपटनम) में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यपालन अभियंता एस.आर. नेताम के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल, जल स्रोतों की स्वच्छता, क्लोरिनेशन और हाथ धोने की आदत जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला की केमिस्ट सपना मंडल और परियोजना समन्वयक सुनील चिड़ियम ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर ग्रामीणों को जल जनित रोगों से बचाव के उपाय बताए और स्थानीय जल स्रोतों से नमूने लेकर उनकी जांच भी की।कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, विद्यार्थी और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्हें बताया गया कि खुले जल स्रोतों से जल लेने से पहले उसकी गुणवत्ता जांचना आवश्यक है और खाना खाने से पहले व शौच के बाद साबुन से हाथ धोना डायरिया से बचाव में बेहद प्रभावी है।अभियान के माध्यम से जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया।

लाईवलीहुड कॉलेज में 'कौशल तिहार 2025' का भव्य आयोजन- जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी बनीं मुख्य आकर्षण का केंद्र

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के लाईवलीहुड कॉलेज, चोरभट्ठी परिसर में जिला स्तरीय 'कौशल तिहार 2025' का आयोजन बड़े ही भव्य और प्रेरणादायक रूप में किया गया। यह आयोजन जिला कौशल विकास प्राधिकरण एवं लाईवलीहुड कॉलेज बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली युवाओं को मंच प्रदान कर उनके कौशल का सार्वजनिक प्रदर्शन और मान्यता देना है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी रहीं, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति से यह कार्यक्रम उत्सव में बदल गया। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल युवाओं से संवाद किया, उनके प्रशिक्षण, परिश्रम और संकल्प की सराहना की और उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित भी किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण रहा जिनमें अलग अलग विषय में प्रशिक्षित छात्रों ने अपने खुद के बनाए हुए मॉड्यूल पेश किया। महिलाओं और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु संचालित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र में छात्राओं ने अपने बनाए हुए वस्त्र और डिजाइन प्रदर्शित किए। वहीं कंप्यूटर शिक्षा से जुड़े छात्रों ने डिजिटल इंडिया के सपनों को साकार करने वाले इस मॉड्यूल में बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन, ग्राफिक डिज़ाइन और डाटा एंट्री जैसे कार्यों का प्रदर्शन किया। सोलर तकनीक एवं ऊर्जा प्रबंधन के छात्रों ने नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर चल रहे इस प्रशिक्षण में सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, रखरखाव और ऊर्जा दक्षता प्रबंधन का लाइव डेमो दिखाया। जबकि ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग वर्कशॉप में छात्रों ने मोटर वाहन मरम्मत, इंजिनिंग पार्ट फिटिंग और बेसिक मेंटेनेंस पर जो प्रशिक्षण ले रहे हैं, उनके बारे में विस्तार से बताया। इन सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर जाकर कल्पना योगेश तिवारी ने स्वयं प्रशिक्षुओं से बातचीत कर उनकी सीखने की प्रक्रिया, संसाधनों की उपलब्धता, प्रशिक्षकों की दक्षता और प्रशिक्षण की गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों की मेहनत की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में तकनीकी क्षेत्र में रोजगार और स्व-रोजगार के लिए प्रेरित किया। बच्चों से संवाद के बाद मुख्य अतिथि कल्पना योगेश तिवारी बेहद खुश दिखीं। उन्होंने कहा कि कौशल तिहार जैसे आयोजन युवाओं की प्रतिभा को उजागर करने का सशक्त मंच हैं। यह देखकर अत्यंत संतोष होता है कि हमारे जिले में युवा इतनी निष्ठा और लगन से प्रशिक्षण ले रहे हैं। हमें चाहिए कि हम उन्हें अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराएं और मार्गदर्शन दें, जिससे वे रोजगार और उद्यमिता में अग्रसर हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह नारी सशक्तिकरण की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है। इस कार्यक्रम में बेमेतरा जिला प्रशासन के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, शिक्षकगण, प्रशिक्षक, अभिभावक तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सभी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को आत्मविश्वास मिलता है और उन्हें अपने कौशल को पहचानने और निखारने का अवसर मिलता है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन जिले में 'ग्राम सुरक्षा समिति' का किया जावेगा गठन

पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार हेतु लगातार किए जा रहे प्रयास

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

जिले के सभी थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत ग्रामों में ग्राम रक्षा समिति का गठन किया जाएगा जिसके लिए थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया जा चुका है। प्रत्येक ग्रामवार रक्षा समितियों की संख्या 8 से 15 तक रहेगी जिसमें महिला/पुरूष, साफ-सुथरी छवि के लोगों को जोड़ा जाएगा।

÷ग्राम रक्षा समिति÷ का कार्य

ग्राम में बाहरी व्यक्तियों के आवाजाही की सूचना देना।ग्राम में अवैध कारोबार में सम्मिलित व्यक्तियों की सूचना देना। ग्राम की किसी बड़ी समस्या के बारे में भी संबंधित थाना /चौकी को अवगत कराना। गांव क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री करने वालो एवं जुआ सट्टा खेलने एवं खिलाने वालो के संबंध में जानकारी देना। ग्राम में साइबर/ट्रैफिक/नशामुक्ति आदि के संबंध में ग्रामीणों को थाने के सहयोग से जागरूक करना।पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय द्वारा जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए असमाजिक तत्वों के व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

श्री रामलला दर्शन योजनाः 64 तीर्थयात्रियों के दल को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए किया गया रवाना

मुंगेली /मूक पत्रिका

श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत जिले के 64 तीर्थयात्री अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय ने तीर्थ यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में इन सभी तीर्थयात्रियों को दो बसों के माध्यम से बिलासपुर रेल्वे स्टेशन तक भेजा गया। वहां से सभी स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए रवाना होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उप संचालक भूमिका देसाई ने बताया कि तीर्थयात्रियों का पुष्पाहार से स्वागत कर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष राम कमल सिंह परिहार, पवन पाण्डेय, दीनानाथ केशरवानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने के लिए श्रीरामलला दर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत तीर्थयात्रियों को अयोध्या में रामलला का दर्शन कराया जाता है। सभी तीर्थयात्रियों को रास्ते में खाने-पीने, अयोध्या में ठहरने और दर्शन के बाद वापस घर तक निःशुल्क पहुंचाया जाता है।

देवकर को मिला गार्बेज फ्री सिटी स्टार रेटिंग

बेमेतरा/देवकर /मूक पत्रिका

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 अंतर्गत नगर पंचायत देवकर को डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, व्यावसायिक क्षेत्रों, आवासीय क्षेत्रों, वॉटर बॉडी, सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों, के बेहतर साफ-सफाई, वेस्ट सेग्रीगेशन तथा अन्य स्वच्छता संबंधी कार्यों में बेहतर प्रदर्शन के लिए ओडीएफ सर्टिफिकेशन में ओडीएफ ++ के साथ गार्बेज फ्री सिटी स्टार रेटिंग अंतर्गत 1 स्टार प्राप्त हुआ। साथ ही नगर की स्वच्छता रैंकिंग पूरे देश में 65 वें स्थान पर होने के साथ राज्य में 55 वें स्थान पर रही। बता दें कि उक्त सर्वेक्षण पूरे देश के 2035 शहरों तथा राज्य के 123 शहरी क्षेत्रों में किया गया। नगर को स्वच्छ रखते हुए सर्वेक्षण में स्टार रेटिंग तथा देश व राज्य में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने में निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी केशराम साहू, उपअभियंता संजय मोटवानी, लेखापाल गजाधर यादव, सहायक ग्रेड 03,प्रदीप कुमार सोनी, सहायक राजस्व निरीक्षक राजकुमार रात्रे, मूलचंद कोसरे, आबिद मोहम्मद कुरैशी, सोहन साहू, स्वच्छता प्रेरक आकाश आडील, उमेन्द्र ध्रुव प्लेसमेंट कर्मचारी, स्वच्छता कर्मचारी,स्वच्छता कमांडों , डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में संलग्न स्वच्छता दीदियों के साथ ही नगर के जनप्रतिनिधियों में अध्यक्ष सुरेश सिहोरे, उपाध्यक्ष अतुल शर्मा, पार्षदगण सुरेश सिन्हा, भारत निषाद, रामप्यारी यादव,मोहन सिन्हा, रविशंकर सोनी,ताराचंद चक्रधारी,बीरेंद्र कुंजाम, देवेश गुप्ता,वर्षा, पुष्पा साहू,धनीराम देवांगन,नीरा निषाद,सलमा मिर्ज़ा, विधायक प्रतिनिधि अजय अग्रवाल व पत्रकारगण एवं नगर के आमजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी केशराम साहू ने सभी को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए अपील किया कि जिस तरह नगर पंचायत देवकर ने पूरे देश में अच्छा प्रदर्शन किया है वैसे ही आगामी वर्षों में भी प्रदर्शन करे और नगर स्वच्छ रहे उसके लिए हमेशा ऐसे ही सहयोग करते रहें।

जनप्रतिनिधियों सहित मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी-गायता और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमुदाय हुए शामिल

पाट जात्रा पूजा विधान के साथ शुरू हुआ विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व

जगदलपुर/मूक पत्रिका

हरियाली अमावस्या के मौके पर बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मन्दिर के सामने गुरुवार को पाट जात्रा पूजा विधान के साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया। बस्तर दशहरा पर्व के इस प्रथम पूजा विधान में बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और बस्तर दशहरा पर्व समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी-गायता, पटेल, नाईक-पाईक, सेवादार तथा जिला कलेक्टर हरिस एस, अपर कलेक्टर सीपी बघेल एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमुदाय शामिल हुए। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को समर्पित इस ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के पहले पूजा विधान पाट जात्रा में रथ निर्माण के लिए बनाए जाने वाले औजार ठुरलू खोटला तथा अन्य औजारों का परम्परागत तरीके से पूजा-अर्चना कर रस्म पूरी की गयी। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया, जो इस वर्ष करीब 75 दिवस की अवधि तक पूरे आस्था, श्रद्धा और पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। बस्तर दशहरा पर्व के प्रमुख पूजा विधानों को निर्धारित तिथि अनुसार सम्पन्न की जाती है। जिसके तहत आगामी शुक्रवार 05 सितम्बर को डेरी गड़ाई पूजा विधान, रविवार 21 सितम्बर को काछनगादी पूजा विधान, सोमवार 22 सितम्बर को कलश स्थापना पूजा विधान, मंगलवार 23 सितम्बर को जोगी बिठाई पूजा विधान सहित बुधवार 24 सितम्बर से सोमवार 29 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, सोमवार 29 सितम्बर को सुबह 11 बजे बेल पूजा, मंगलवार 30 सितम्बर को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान, बुधवार 01 अक्टूबर को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव, गुरुवार 02 अक्टूबर को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, शुक्रवार 03 अक्टूबर को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, शनिवार 04 अक्टूबर को काछन जात्रा पूजा विधान एवं मुरिया दरबार होगा। वहीं रविवार 05 अक्टूबर को कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान में ग्राम्य देवी-देवताओं की विदाई होगी और मंगलवार 07 अक्टूबर को मावली माता की डोली की विदाई पूजा विधान के साथ ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व सम्पन्न होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।